PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 274 ● भिलाई, मंगलवार 12 मई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

बीएसएफ ने सेल्फ डिफेंस में चलाई गोली, त्रिपुरा बॉर्डर पर 2 बांग्लादेशियों की मौत

नई दिल्ली। त्रिपुरा के सिपाहीजला जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर रात सीमा सुरक्षा बल के जवानों द्वारा आत्मरक्षा में की गई फायरिंग में दो संदिग्ध बांग्लादेशी तस्कर मारे गए। यह घटना कमलासागर बॉर्डर आउटपोस्ट के पास हुई। यह इलाका तस्करी की गतिविधियों के लिए कुख्यात है, जिसमें कथित तौर पर सीमा के दोनों ओर के ग्रामीणों की मदद शामिल होती है। सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार की रात अंधेरे का फायदा उठाकर 10-15 लोगों का एक समूह सीमा पर लगी बाड़ के पार अपने भारतीय साथियों को सामान सौंप रहा था, तभी बीएसएफ की गश्ती टीम ने उन्हें देख लिया। जब जवानों ने उन्हें ललकारा और रोकने की कोशिश की, तो तस्करों ने कथित तौर पर उन पर पथराव शुरू कर दिया। इसके जवाब में बीएसएफ के जवानों ने फायरिंग की, जिसमें दो लोग घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। इनकी पहचान नबीन हुसैन (20) और मोहम्मद मुरसलीन (40) के रूप में हुई है

भारत-नेपाल सीमा पर फंसे सैकड़ों ट्रक, सोनौली में 10 किमी लंबी कतार से बढ़ी परेशानी

महराजगंज। अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) नियम को लेकर नेपाल भंसार विभाग की तरफ से ढील मिलने के बाद व्यापारियों को राहत मिली है। लाइन में लगे मालवाहकों को नेपाल जाने की अनुमति मिलने से 90 भारतीय ट्रक नेपाल चले गए हैं। हालांकि नेपाल में शनिवार और रविवार सार्वजनिक अवकाश होने के कारण बड़ी संख्या में ट्रक अब भी सोनौली सीमा में फंसे हुए हैं। जिससे नौतनवा-सोनौली मार्ग पर करीब 10 किलोमीटर लंबी कतार लग गई है। ऐसे में चालकों को खाने-पीने, पानी और पार्किंग जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इससे भैरहवा-सोनौली सीमा क्षेत्र में उहापोह जैसी स्थिति बनी है। ट्रक चालकों व व्यापारियों की परेशानियां कम नहीं हो पा रहीं हैं। नेपाल भंसार विभाग द्वारा अस्थायी सहूलियत दिए जाने के बाद कस्टम क्लियरेंस का कार्य गुरुवार को शुरू हुआ।

पानीपत में पुत्रवधू की प्रताड़ना से तंग आकर सास-ससुर ने खाया जहर, दोनों की मौत

नई दिल्ली। पुत्रवधु और उसके परिजनों की प्रताड़ना से परेशान होकर सास-ससुर ने जहरीला पदार्थ निगलकर आत्महत्या कर ली। मतलौडा थाना क्षेत्र के नारा गांव विवासी राजेश और उनकी पत्नी सुमन ने शनिवार दोपहर को जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया था। दोनों को गम्भीर हालत में जिला नगरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परिजनों का आरोप है कि दिल्ली की रहने वाली पुत्रवधु के साथ पहनावे को लेकर अक्सर उनकी बोलचाल होती रहती थी। राजेश के भाई नरेश ने बताया कि उनके भाई के एक बेटा आशीष और एक बेटी हैं। आशीष ने जनवरी 2025 में दिल्ली की स्नेहा से प्रेम विवाह किया था।

सोमनाथ की पवित्र भूमि से पीएम मोदी की हुंकार

कोई ताकत भारत को झुका नहीं सकता-पीएम मोदी

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में 'सोमनाथ अमृत महोत्सव' में हिस्सा लिया। यह महोत्सव भगवान शिव को समर्पित 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने गुजरात की जनता को संबोधित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस भव्य उत्सव को पवित्र बताया और कहा आज, प्रभास पाटन की यह पवित्र भूमि एक दिव्य आभा से भर उठी है। महादेव का यह साक्षात रूप, आकाश से फूलों की वर्षा, कला, संगीत और नृत्य की भव्य प्रस्तुतियां, वैदिक मंत्रों का उच्चारण, गर्भगृह में शिव पंचाक्षरी का निरंतर पाठ, और इन सबके साथ-साथ, सागर की लहरों की विजयी गर्जना ऐसा प्रतीत होता है मानो पूरी सृष्टि एक साथ मिलकर जयघोष कर रही हो। उन्होंने जय सोमनाथ की हुंकार भी भरी। दुनिया में भारत की पहचान और उसमे वैज्ञानिकों के योगदान का भी उल्लेख किया। सोमनाथ में पीएम मोदी ने कहा, 11 मई को, पहले तीन परमाणु परीक्षण किए गए थे। हमारे वैज्ञानिकों ने, जो भारत के गौरव हैं, पूरी दुनिया के सामने भारत की क्षमताओं का प्रदर्शन किया। इससे पूरी दुनिया में हलचल मच गई। कई तरह के प्रतिबंध लगाए गए, लेकिन

13 मई को, दो और परमाणु परीक्षण किए गए। इसने दुनिया को यह दिखा दिया कि भारत की राजनीतिक इच्छाशक्ति कितनी दृढ़ है। उस समय, पूरी दुनिया का दबाव भारत पर था। फिर भी, अटल जी के नेतृत्व में, भाजपा सरकार ने यह साबित कर दिया कि हमारे लिए, राष्ट्र सबसे पहले आता है। धरती की कोई भी ताकत भारत को झुका नहीं सकती; कोई भी ताकत उसे दबाव के आगे झुकने पर मजबूर नहीं कर सकती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमनाथ मंदिर के इतिहास के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि, दुनिया भर में ऐसे अनगिनत उदाहरण हैं जहां विदेशी आक्रमणकारियों ने उन स्थलों को नष्ट कर दिया जो किसी राष्ट्र की पहचान से गहराई से जुड़े थे। फिर भी, जब भी उन राष्ट्रों के लोगों को अवसर मिला, वे अपनी पहचान को वापस पाने और अपनी राष्ट्रीय प्रतिष्ठा को बहाल करने के लिए एकजुट हुए। उन्होंने इस दौरान कांग्रेस को भी निशाना बनाया और कहा, यहां हमारे देश में, राष्ट्रीय स्वाभिमान से जुड़े मामलों पर भी राजनीति होती रही। सोमनाथ स्वयं इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।

जिसके नाम में ही सोम हो उसे कौन नष्ट कर सकता है

पीएम ने कहा- जब चंद्रयान मिशन सफल हुआ और रोवर जिस जगह लैंड हुआ उसका नाम भी शिवशक्ति पॉइंट रखा गया। क्योंकि हमारी आस्था में चंद्रमा शिव से और शिव शक्ति से जुड़े हैं। इसलिए चंद्रमा के नाम से ही इस शिवलिंग को सोमनाथ कहते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा- मैं भगवान सोमनाथ के चरणों में नमन करते हुए ऑपरेशन शक्ति की बधाई देता हूं। पिछली बार यहां आने पर मैंने कहा था कि जिसके नाम में ही सोम हो उसे कौन नष्ट कर सकता है? पीएम ने कहा- लुटेरों ने सोमनाथ मंदिर को मिटाने का प्रयास किया। वे भौतिक ढांचा बार-बार मिटाते रहे। मंदिर हर बार उठ खड़ा हुआ। क्योंकि तोड़ने वालों को मालूम नहीं था कि हमारा वैचारिक सामर्थ्य क्या है। हम भौतिक शरीर को नश्वर मानने वाले हैं। शरीर के भीतर बैठी आत्मा अविनाशी है। फिर शिव तो सर्वात्मा हैं। प्रधानमंत्री ने कहा- इस मंदिर में 75 साल पहले प्राण-प्रतिष्ठा हुई थी। तब एक नई चेतना यात्रा शुरू की थी।

---

200 करोड़ मनी लॉन्ड्रिंग केस

ईडी का दावा-जैकलीन फर्नांडिस को थी जानकारी

नई दिल्ली। 200 करोड़ रुपये के कथित ठगी मामले में आरोपी सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े मामले में सरकारी गवाह बनने के लिए अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस की ओर से दायर याचिका पर ईडी ने अपना जवाब अदालत में दाखिल कर दिया है। ईडी ने अपने जवाब में कहा है कि जैकलीन फर्नांडिस के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं और उपलब्ध रिकॉर्ड के आधार पर उनका यह दावा कि वह पीड़िता हैं, तथ्यों से मेल नहीं खाता। एजेंसी के अनुसार, सबूत यह संकेत देते हैं कि वह सुकेश चंद्रशेखर की आपराधिक पृष्ठभूमि और उसके लेन-देन से अनजान नहीं थीं। ईडी ने अदालत

को बताया है कि अभिनेत्री कथित ठग सुकेश के आपराधिक कृत्यों और उसकी पृष्ठभूमि से परिचित थीं। ईडी के अनुसार, उपलब्ध साक्ष्यों से यह संकेत मिलता है कि सुकेश चंद्रशेखर की वास्तविक पहचान और आपराधिक इतिहास की जानकारी होने के बावजूद अभिनेत्री ने उससे संपर्क बनाए रखा।

हिमाचल के चंबा में बड़ा हादसा!

150 फीट गहरी खाई में गिरी ट्रैवलर,6 लोगों की दर्दनाक मौत, कई घायल....

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले से एक बड़ी दुर्घटना की खबर सामने आई है। चंबा जिले में स्थित भटियात के काकिरा में एक टेम्पो ट्रैवलर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। काकिरा में एक पर्यटकों से भरी ट्रैवलर 150 से 300 फीट गहरी में खाई में गिर गयी। घटना इतनी भीषण थी कि, इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 3 बजे पर्यटकों से भरी एक इनोवा क्रिस्टा ट्रैवलर का नियंत्रण बिगड़ा और गाड़ी 150 से 300 फीट गहरी खाई में जा गिरी। ट्रैवलर में कुल 10 लोग मौजूद थे, जिनमें से 6 लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि अन्य 4 लोगों के सिर पर गंभीर चोट लगने से हालत नाजुक बताई जा रही है। घायलों को तुरंत टांडा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। सूचना मिलते ही, पुलिस की एक टीम तुरंत घटनास्थल पर भेजी गई। एसपी विजय सकलानी ने इस घटना की पुष्टि की है। बताया जा रहा है कि सभी मृतक गुजरात के पर्यटक थे। गुजरात के सभी पर्यटक मनाली से डलहौजी घूमने

जा रहे थे। हादसे के वक्त इलाके में भारी बारिश हो रही थी। बारिश के कारण सड़क भी गीली थी। हादसा इतना भयावह था कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। अंधेरा होने के कारण पुलिस को रेस्क्यू ऑपरेशन चलाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। पुलिस ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर सभी को बाहर निकाला और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। हादसे में मारे गए लोगों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। चंबा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हादसे के कारणों की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, अभी यह कहना मुश्किल है कि हादसा कैसे हुआ। पुलिस इस बात की जांच में जुट गई है कि हादसा ड्राइवर को नींद लगने से हुआ या फिर किसी तकनीकी खराबी के कारण हुआ। फिलहाल, पुलिस गुजरात के इन पर्यटकों की शिनाख्त कर रही है, ताकि हादसे में शामिल लोगों के परिवार से संपर्क साधा जा सके।

पंजाब में आप को बड़ा झटका

सीएम भगवंत मान के भाई और चाचा बीजेपी में शामिल

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली के बाद अब पंजाब में आम आदमी पार्टी लगातार कमजोर होती जा रही है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के चचेरे भाई और आम आदमी पार्टी के नेता ज्ञान सिंह मान भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। पंजाब बीजेपी अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। पहले राज्यसभा के 7 सांसद और अब मुख्यमंत्री मान के भाई के पार्टी छोड़ने पर पंजाब कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी पर तंज कसा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए पंजाब कांग्रेस ने लिखा कि आपडाउन with I MPs

and 1 चाचे दा मुंडा। गौरतलब है कि पिछले महीने आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसद पार्टी को छोड़कर बीजेपी में शामिल हो गए थे। इनमें से छह को आम आदमी पार्टी ने पंजाब से राज्यसभा भेजा था। एक तरफ पंजाब में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी अपनी दावेदारी मजबूत करने में लगी है। वहीं, सत्ताधारी आम आदमी पार्टी लगातार कमजोर होती नजर आ रही है। आम आदमी पार्टी में जारी अंदरुनी कलह अब खुलकर सामने आने लगी है। राघव चड्ढा के बगावत के बाद राज्यसभा में पार्टी बेहद कमजोर हो गई है। पंजाब बीजेपी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि पंजाब में भारतीय जनता पार्टी दिन-प्रतिदिन मजबूत होती जा रही है। वर्तमान में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी और मुख्यमंत्री भगवंत मान को उस समय बड़ा राजनीतिक झटका लगा जब उनके चचेरे भाई ज्ञान सिंह मान आज बीजेपी में शामिल हो गए।

होर्मुज स्ट्रेट में बढ़ते तनाव से 20 हजार भारतीय नाविक संकट में फंसे

नई दिल्ली। एनयूएसआई ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट में बढ़ते तनाव के बीच 20 हजार से अधिक भारतीय नाविक फंसे हुए हैं। यूनियन ने आशंका जताई है कि यदि संघर्ष और बढ़ा तो जहाज समुद्र में फंस सकते हैं और चालक दल को भोजन व दवाओं जैसी जरूरी सुविधाओं के बिना मुश्किल परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। एनयूएसआई ने केंद्र सरकार से इस मामले को राष्ट्रीय प्राथमिकता मानते हुए तत्काल निकासी प्रोटोकॉल लागू करने की मांग की है। यूनियन के अनुसार, जहाजों के शेड्यूल, बंदरगाहों पर प्रतिबंध, फ्लैग स्टेट्स और सुरक्षा अलर्ट के चलते इस क्षेत्र में भारतीय नाविकों की स्थिति लगातार बदल रही है।

आयुष्मान भारत की शुरुआत

बॉर्डर पर बीएसएफ को मिलेगी जमीन-सीएम शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता/एजेंसी

पश्चिम बंगाल की नई भाजपा सरकार की पहली कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने प्रशासनिक सुधार, सीमाई सुरक्षा, केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन और कानून-व्यवस्था को लेकर कई बड़े फैसलों की घोषणा की। नवान्न में आयोजित बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में अब 'सुशासन, सुरक्षा और डबल इंजन सरकार' के नए दौर की शुरुआत हो चुकी है और पश्चिम बंगाल को भाजपा शासित अन्य राज्यों की विकास नीति के अनुरूप आगे बढ़ाया जाएगा।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार संविधान निर्माता बीआर अंबेडकर के 'जनता के लिए, जनता द्वारा और जनता की सरकार' के सिद्धांत पर काम करेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'डर बाहर, भरोसा अंदर' संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि नई सरकार लोगों को सुरक्षा, विश्वास और विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी। कैबिनेट बैठक में सबसे अहम निर्णयों में सीमाई सुरक्षा को लेकर बीएसएफ को आवश्यक जमीन सौंपने की प्रक्रिया तुरंत शुरू करने का फैसला शामिल है। मुख्यमंत्री ने भूमि एवं राजस्व विभाग तथा मुख्य सचिव को अगले 45 दिनों के भीतर प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने अवैध घुसपैठियों के हित में केंद्र और अदालतों के निर्देशों की अनदेखी की थी।

मरीजों की जान से खिलवाड़!

सरकारी अस्पतालों में एक्सपायरी के करीब दवाओं की सप्लाई

■ हमर अस्पताल में करोड़ों की दवाएं डंप, पूर्व विधायक ने उठाए सवाल

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ के सरकारी अस्पतालों में दवाओं की सप्लाई और भंडारण को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने हमर अस्पताल गुढ़ियारी में दवाओं के नाम पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार होने का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया है कि अस्पताल में करोड़ों रुपये की दवाओं का स्टॉक डंप कर रखा गया है, जबकि मरीजों को जरूरी दवाएं समय पर नहीं मिल पा रही हैं।विकास उपाध्याय ने कहा कि अस्पताल में बड़ी मात्रा में ऐसी दवाएं रखी गई हैं, जिनकी एक्सपायरी डेट बेहद करीब है। कई दवाएं एक्सपायर होने की स्थिति में हैं, जबकि कुछ दवाएं कथित तौर पर एक्सपायर होने के बाद भी अस्पताल परिसर में पड़ी हुई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एक्सपायरी दवाओं को कूड़े की तरह रखा गया है और मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।पूर्व विधायक उपाध्याय ने आरोप लगाया कि दवा सप्लाई में टेंडर प्रक्रिया के जरिए ठेकेदारों को फायदा पहुंचाया जा रहा है। जिन दवाओं की अस्पतालों में मांग नहीं है, उनकी अधिक मात्रा भेजी जा रही है, जबकि जरूरी दवाओं की पर्याप्त सप्लाई नहीं हो रही। उन्होंने कहा कि बीपी, शुगर, गर्भावस्था

और नवजात शिशुओं से जुड़ी कई महत्वपूर्ण दवाएं एक्सपायरी के कगार पर पड़ी हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ मरीजों को ऐसी दवाएं बांटी जा रही हैं, जिनकी एक्सपायरी इसी महीने होने वाली है। विकास उपाध्याय ने मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने और जिम्मेदार अधिकारियों व सप्लायरों पर कार्रवाई की मांग की है। बता दें कि एक्सपायरी से 6 माह पहले दवा वापस भेजने का प्रावधान है, लेकिन अस्पतालों में एक्सपायरी के करीब दवाओं की सप्लाई हो रही है। एंटासीड का एक्सपायरी डेट अगस्त 2026 है। इसी तरह इथोफायलीन और थियोफाईलीन- सांस की बीमारी की दवा जून 2026, बूपी वैकसीन इंजेक्शन अगस्त 2026, इंजेक्शन जून 2026, लेबेटाल टेबलेट जून 26, बायोकार्ड प्रेगनेंसी टेस्ट किड मई 2026, आयरन फोलिक एसिड मई 2026 को एक्सपायर हो जाएगा। ये हैं एक्सपायरी दवाएं इनालाप्रिल- एक्सपायरी दवा ईजी पील- गर्भनिरोधक दवा एक्सपायरी सेट्रेजीन सिरप जैसे एक दर्जन दवा इस मामले में हमर अस्पताल गुढ़ियारी के प्रभारी अधीक्षक डॉक्टर प्रेम रात्रे ने कहा, हमारे यहां से 10 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में दवा जाती है। एक्सपायरी दवाओं को यहीं वापस लाया जाता है। जो एक्सपायरी दवा है उन्हें एक्सपायरी काउंटर में अलग से रखा गया है।

ठेले में गुपचुप खाने के बाद 25 लोग हुए फूड पॉइजनिंग के शिकार

दुर्ग। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के गृह ग्राम बेलौदी में रविवार को बाजार में ठेले से चाट-गुपचुप खाने के बाद करीब 25 लोग उल्टी-दस्त की चपेट में आ गए। अचानक बड़ी संख्या में लोगों की तबीयत बिगड़ने की सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम तत्काल सक्रिय हुई और गांव पहुंचकर लोगों की जांच शुरू की। ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ. भुनेश्वर कठौतिया के निर्देशन में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. उमेश मिश्रा, सेक्टर पर्यवेक्षक उत्तम मधुकर और मितानिनों की टीम ने गांव पहुंचकर हाउस-टू-हाउस सर्वे शुरू किया। टीम ने मरीजों की पहचान कर तत्काल उपचार उपलब्ध कराया।

CMYK

राजस्व मंत्री ने करोड़ों के विकास कार्यों का किया लोकार्पण व भूमिपूजन

बलौदाबाजार। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने तहसील सुहेला अंतर्गत ग्राम पंचायत पड़कीडीह में 5 करोड़ 39 लाख रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन किया। उन्होंने ग्राम पड़कीडीह में आयोजित कार्यक्रम में पूजा अर्चना कर विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इसमें पड़कीडीह से टेकरी मार्ग पर बंजारी नाला में 5 करोड़ 20 रुपए की लागत के वृहद पुल का भूमिपूजन, ग्राम पंचायत पड़कीडीह में 9 लाख 85 हजार रुपए की लागत के पीडीएस भवन एवं 10 लाख रुपए की लागत के सामुदायिक भवन का लोकार्पण कार्य शामिल हैं। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मंत्री वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार सभी वर्ग के लोगों के लिये योजना बनाने के साथ ही विकास कार्यों को भी तेजी से आगे बढ़ा रही हैं। शहर से लेकर गांव तक सड़क और पुल का जाल बिछाया जा रहा है। कोई भी गांव अब पहुंचविहीन नहीं रहेगा। अभी हाल ही में बजट सत्र के दौरान कई बड़े पुल और सड़कों के निर्माण के लिये राशि का प्रावधान किया गया है। राजस्व मंत्री ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिये शुरू की गई महतारी वंदन योजना से महिलाएं छोटी- छोटी जरुरत के लिए खुद इस राशि का उपयोग कर सकती हैं। महतारी सदन का निर्माण किया जा रहा है जहां समूह की वभिन्न गतिविधियों पर बैठकर चर्चा कर सकते हैं।इसीतरह तेन्दुपत्ता दर 5500 रुपए प्रति मानक बोरा, चरण पादुका योजना, भूमिहीन मजदूरों के लिये दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना भी संचालित हो रहे हैं। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष दौलत पाल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

11 मई को सिरपुर के गंधेश्वर महादेव मंदिर में विशेष आयोजन

महासमुंद। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व अटूट आस्था के 1000 वर्ष के विशेष आयोजन अंतर्गत आगामी 11 मई 2026 को प्रातः 09 बजे पुरातात्विक एवं धार्मिक नगरी सिरपुर स्थित गंधेश्वर महादेव मंदिर में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों के विशिष्ट आतिथ्य में मुख्य आयोजन का एलईडी स्क्रीन के माध्यम से सीधा प्रसारण, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा सभाओं का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने कलेक्टर विनय कुमार लंगेह द्वारा विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दायित्व सौंपे गए हैं। मंच व्यवस्था, बैठक व्यवस्था, स्टेज निर्माण, एलईडी स्क्रीन एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी दी गई है। । वहीं कार्यक्रम के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति, जनरेटर, लाइट एवं माइक व्यवस्था साथ ही सिरपुर महोत्सव के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु सभी जनपद पंचायतों, ग्राम सचिवों एवं कोटवारों के माध्यम से गांव-गांव में मुनादी एवं बैठकों के जरिए जानकारी पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम स्थल पर पर्याप्त पेयजल एवं टॉयलेट व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए हैं। कलेक्टर लंगेह ने राष्ट्रव्यापी स्मरणोत्सव के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु जिला स्तरीय अधिकारियों को दायित्व सौंपा गया है। कार्यक्रम आयोजन के समय-सारणी के अनुसार 11 मई को सुबह 09 बजे अतिथियों का मंदिर परिसर में आगमन, 9.30 बजे शिव स्तुति, भजन,दीप प्रज्वलन एवं महारती, 10 बजे से से 10.20 बजे तक शिव भजन एवं नृत्य प्रस्तुति, 10.20 से 10.30 तक सोमनाथ संवाद, 10.30 से 11 बजे भारत सरकार द्वारा ऑनलाइन प्रस्तुतीकरण एवं 11.15 बजे प्रसाद वितरण किया जाएगा।

धमतरी में नारी शक्ति का सम्मान 151 महिलाओं का हुआ अभिनंदन

धमतरी। मदर्स डे और नारी सम्मान को लेकर एक भव्य नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, यह आयोजन धमतरी के समाज सेवक पंडित राजेश शर्मा द्वारा स्थानीय धनकेसरी मंगल भवन में रखा गया, कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 151 महिलाओं का सम्मान किया गया। इस दौरान महिलाओं के सम्मान में लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। धमतरी के धनकेसरी मंगल भवन में आयोजित नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम में शहर और आसपास की बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुई। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में महिलाओं के योगदान को सम्मान देना और उन्हें प्रोत्साहित करना रहा। इस दौरान शिक्षा समाज सेवा स्वास्थ्य संस्कृति और अन्य क्षेत्रों में बेहतर कार्य करने वाली 151 महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के आयोजक समाज सेवक पंडित राजेश शर्मा ने कहा कि नारी शक्ति समाज की सबसे बड़ी ताकत है और महिलाओं के सम्मान के बिना समाज की प्रगति संभव नहीं है, उन्होंने कहा कि मदर्स डे के अवसर पर मातृ शक्ति का सम्मान करना गर्व की बात है। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गई जिसने माहौल को और खास बना दिया। सम्मान प्राप्त करने वाली महिलाओं के चेहरे पर खुशी साफ देखने को मिली, वहीं कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। फिलहाल धमतरी में आयोजित इस नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम ने महिलाओं के सम्मान और उनके योगदान को नई पहचान देने का काम किया है।

प्रयास आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में 178 छात्र हुए शामिल

बलौदाबाजार। प्रयास आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में जिले के 178 विद्यार्थी शामिल हुए। परीक्षा हेतु पंडित चक्रपाणी शुक्ल हायर सेकण्डरी स्कूल बलौदाबाजार को परीक्षा केन्द्र बनाया गया था। इस परीक्षा के लिये कुल 214 छात्रों ने पंजीयन कराया था जिसमें 178 उपस्थित एवं 36 अनुपस्थित रहे। कड़ी निगरानी एवं चाक-चौबंद व्यवस्था के साथ परीक्षा शांतिपूर्ण सम्पन्न हुआ। परीक्षा के नोडल अधिकारी अरुण कुमार सोनकर एवं सहायक आयुक्त आदिवासी विकास सूरज दास मानिकपुरी ने केंद्र का औचक निरीक्षण किया।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस पर सीएचसी कसडोल का सीएमएचओ ने किया निरीक्षण

बलौदाबाजार। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस के तहत कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश कुमार अवस्थी एवं डीपीएम सृष्टि मिश्रा ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कसडोल का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रसूति कक्ष, महिला एवं पुरुष वार्ड, एनआरसी तथा निर्माणाधीन ट्रॉमा सेंटर का अवलोकन कर मरीजों का हाल-चाल जाना गया । अभियान में कुल 68 गर्भवती हितग्राही पहुंचे जिनमें 16 उच्च जोखिम गर्भावस्था के मामले पाए गए। इनमें 10 गर्भवती माताओं की सोनोग्राफी की गई। इसके साथ ही महिला एवं पुरुष वार्ड निरीक्षण कर मरीजों से हाल चाल जाना साथ ही पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती बच्चों की स्थिति को भी देख गया। सीएमएचओ ने निर्माणाधीन ट्रामा सेंटर का भी जायजा लिया। अधिकारियों ने गुणवत्तापूर्ण मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ वंदना भेले सहित अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत में 95 हजार से अधिक प्रकरणों का निराकरण

गरियाबंद। जिला एवं अपर सत्र न्यायालय गरियाबंद सहित जिले के सभी व्यवहार एवं राजस्व न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देश पर आयोजित इस लोक अदालत में कुल 95 हजार 326 प्रकरणों का निराकरण किया गया तथा 85 लाख 86 हजार 538 रुपये की राशि का एवार्ड एवं रिकवरी कराई गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायपुर के अध्यक्ष एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रायपुर बलराम प्रसाद वर्मा के निर्देशानुसार आयोजित लोक अदालत में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश गरियाबंद एवं तालुका विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष बी.आर. साहू, अपर सत्र न्यायाधीश एफटीएससी गरियाबंद गंगा पटेल, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी गरियाबंद कु. खुशबू जैन, न्यायिक मजिस्ट्रेट वरिष्ठ श्रेणी देवभोग कांची अग्रवाल तथा न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी राजिम अंशुल वर्मा की खंडपीठों में विभिन्न प्रकरणों का निराकरण किया गया। बी.आर. साहू की खंडपीठ में लंबित और प्री-लिटिगेशन सहित 45 प्रकरणों का निराकरण कर 50 लाख 55 हजार 758 रुपये का एवार्ड पारित किया गया। गंगा पटेल की खंडपीठ में 42 प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण कर 4 लाख 92 हजार 978 रुपये की राशि अदा कराई गई। कु. खुशबू जैन की खंडपीठ में 415 मामलों का निराकरण कर 5 लाख 90 हजार 600 रुपये की राशि दिलाई गई। कांची अग्रवाल की खंडपीठ में 1052 प्रकरणों का निराकरण कर 6 लाख 63 हजार 770 रुपये तथा अंशुल वर्मा की खंडपीठ में 547 प्रकरणों का निराकरण कर 17 लाख 83 हजार 432 रुपये की राशि अदा कराई गई। इसके अलावा जिले के राजस्व न्यायालयों में 93 हजार 225 प्रकरणों का निराकरण किया गया। लोक अदालत के दौरान महिला एवं बाल विकास, उद्यानिकी, स्वास्थ्य विभाग, बैंक, विद्युत विभाग एवं नगरपालिका द्वारा स्टॉल लगाए गए। स्वास्थ्य परीक्षण, योजनाओं की जानकारी एवं पौधों का वितरण भी किया गया। न्यायिक अधिकारियों ने विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण कर अधिक से अधिक मामलों का आपसी सहमति से निराकरण कराने के निर्देश दिए। लोक अदालत को सफल बनाने में न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, न्यायालयीन कर्मचारियों, पैरालीगल वालेंटियर्स एवं संबंधित विभागों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

भाजपा संगठन में युवा नेतृत्व को बढ़ावा : रितेश श्रीवास्तव बने जिला मंत्री

बलौदाबाजार। भारतीय जनता पार्टी ने संगठन विस्तार एवं आगामी राजनीतिक रणनीति को मजबूती देते हुए युवा एवं सक्रिय कार्यकर्ता रितेश श्रीवास्तव को भाजपा जिला मंत्री की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। यह नियुक्ति भाजपा छत्तीसगढ़ के प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंह देव तथा प्रदेश महामंत्री (संगठन) पवन साय के अनुमोदन उपरांत जिला कोर ग्रुप की सहमति से की गई। जिला भाजपा कार्यालय, बलौदाबाजार में आयोजित जिला कार्यसमिति बैठक के पश्चात भाजपा जिलाध्यक्ष आनंद यादव ने वरिष्ठ नेताओं एवं पार्टी पदाधिकारियों की उपस्थिति में रितेश श्रीवास्तव की नियुक्ति की औपचारिक घोषणा की। घोषणा होते ही कार्यकर्ताओं में उत्साह एवं हर्ष का वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं प्रदेश कोर ग्रुप सदस्य गौरीशंकर अग्रवाल, पूर्व विधायक एवं भाजपा के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता प्रमोद शर्मा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ. अजय राव, अदिति बघमार, राकेश तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन, जिला महामंत्री कृष्णा अवस्थी एवं विजय यादव सहित बड़ी संख्या में नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। नेताओं ने रितेश श्रीवास्तव को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि वे पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने, कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने में प्रभावी भूमिका निभाएंगे। भाजपा संगठन द्वारा उन्हें संगठन विस्तार, जनसंपर्क अभियान को गति देने, युवाओं एवं नए कार्यकर्ताओं को पार्टी से जोड़ने तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। गौरतलब है कि रितेश श्रीवास्तव पूर्व में भी संगठन के विभिन्न दायित्वों का सक्रियता एवं समर्पण के साथ निर्वहन कर चुके हैं। उनकी नियुक्ति को भाजपा संगठन में युवा नेतृत्व को प्रोत्साहन के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जिला भाजपा नेतृत्व ने विश्वास व्यक्त किया है कि रितेश श्रीवास्तव अपनी कार्यक्षमता, संगठन कौशल एवं सक्रिय जनसंपर्क के माध्यम से पार्टी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

रामायण प्रचारक मंडली वाराणसी द्वारा किया जा रहा रामलीला का प्रचार

भंवरपुर। इस इंटरनेट युग में प्राचीन समय के मनोरंजन और आध्यात्मिक चेतना का मुख्य साधन रही रामलीला को लोग भले ही भूल चुके हों मगर इस प्राचीन संस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत को जीवंत रखने का कार्य रामायण प्रचारक मंडली वाराणसी द्वारा किया जा रहा है। जिनके द्वारा गाँव गाँव में रामलीला महोत्सव के माध्यम से राम जी की चारित्रिक गुणों को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य किया जा रहा है। रामायण की कथानक को जनमानस में स्थापित करने के लिए रामलीला एक सशक्त माध्यम है। ग्राम सागरपाली के बाजार पड़ाव में बिगत 4 मई से आयोजित रामलीला को देखने बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं और रामलीला का आनंद ले रहे हैं। 7 मई को सीता स्वयंवर का सुंदर नाटिक प्रस्तुत की गई वहीं 8 मई को सूर्पनखा नाक छेदने एवं सीता हरण का दृश्य दर्शकों को भाव विभोर कर दिया। वाराणसी से पधारे 15 सदस्यीय रामलीला टीम गांव में 11 मई तक रामलीला का मंचन कर दूसरे गाँव के लिये रवाना हो जायेंगे। मंडली के अध्यक्ष नीरज कुमार पांडे ने बताया कि रामलीला को लोग भूलते जा रहे हैं तथा युवा पीढ़ी राम के चारित्रिक गुणों से विमुख होती जा रही है ऐसे में हम गांव-गांव में रामलीला का आयोजन कर लोगों को प्रभु राम जी से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। रामलीला रामायण पर आधारित कथानक का नाटकीय मंचन है जिसमें कलाकार रामायण के विभिन्न पात्रों का अभिनय कर रामायण को जनमानस में स्थापित करने का कार्य किया जा रहा है। रामायण के विभिन्न पात्रों का अभिनय सिद्धहस्त कलाकारों द्वारा किया जा रहा है। सबसे आश्चर्य की बात यह है कि नारी पात्र का अभिनय भी पुरुष कलाकार द्वारा किया जा रहा है। रामलीला को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। एक समय जब रामलीला का मंचन होता था तो शाम होते ही दरी बिछा कर अपनी अपनी जगह सुरक्षित कर लिया करते थे। रामलीला एक समय आध्यात्मिक चेतना जागृत करने के साथ-साथ मनोरंजन का सशक्त माध्यम हुआ करता था।

मनोरंजन के नीत नए स्वरूप के बदलाव से रामलीला के प्रति आकर्षण थोड़ा जरूर कम हुआ है मगर आस्था कम नहीं हुई। कलाकारों ने बताया कि रामायण प्रचारक मंडली वाराणसी के संचालक दिलीप कुमार चौरसिया हैं। इस तरह के आयोजन के लिए हजारों रुपए खर्च करना पड़ता था मगर रामलीला का मंचन निशुल्क किया जा रहा है। अब तक बसना, राजपुर, गनियारी, केजुवां, जगत, बेलमुंडी आदि गांवों में रामलीला का मंचन हो चुका है।

रामलीला के एक कलाकार ने बताया कि वह पहली बार छत्तीसगढ़ में रामलीला मंचन करने पहुँचे है। छत्तीसगढ़ प्रभु राम जी का ननिहाल होने से यहां के लोगों के हृदय में प्रभु श्री राम के प्रति अगाध आस्था और आदर का भाव देखने को मिल रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की अपनों बच्चों को साथ रामलीला को देखने के लिए अवश्य आयें ताकि रामायण समझ सके उनमें राम के चारित्रिक गुणों का विकास हो सके।

अछोला हाई स्कूल में समाधान शिविर होगा आयोजित

महासमुंद। जिले में आयोजित किए जा रहे सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत महासमुंद एवं बसना अनुभाग में समाधान शिविर के लिए निर्धारित कुछ स्थलों में आंशिक परिवर्तन किया गया है। जिले में शिविर 01 मई से 10 जून तक विभिन्न ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों में आयोजित किए जा रहे हैं। जारी संशोधित कार्यक्रम के अनुसार महासमुंद अनुभाग में सोमवार को पूर्व निर्धारित हाई स्कूल मैदान, पीढ़ी के स्थान पर अब हाई स्कूल मैदान अछोला में समाधान शिविर आयोजित किया जाएगा। इसी प्रकार 25 मई को हाई स्कूल मैदान कछारडीह के स्थान पर शासकीय प्राथमिक शाला सलिहाभाटा ग्राम पंचायत तोरला में शिविर आयोजित होगा। वहीं बसना अनुभाग अंतर्गत नगर पंचायत बसना में पूर्व निर्धारित 24 मई के स्थान पर अब 22 मई को समाधान शिविर आयोजित किया जाएगा। जिला प्रशासन ने आमजनों से संशोधित तिथि एवं स्थल के अनुसार शिविर में उपस्थित होकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं समस्या निराकरण सेवाओं का लाभ लेने की अपील की है।

संविदा अधिकारी महिलाओं से कर रहा है अभद्र व्यवहार, पीडित महिलाएं करेंगी सुशासन तिहार में कार्यवाही की मांग

धमतरी। महिलाओं को आरक्षण देने के नाम पर देश में घमासान मचा हुआ है। भाजपा ने इसी परिप्रेक्ष्य में संसद में नारी वंदन के नाम से एक बिल प्रस्तुत किया था कि महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जाये। लेकिन विपसांसदों ने इस बिल का समर्थन नहीं किया जिसके कारण यह बिल संसद में पास नहीं हो पाया। लेकिन भाजपा शासित राज्यों में स्थापित सत्ता में इस आरक्षण का बिल पास किया जा रहा है वहीं दूसरी ओर जनपद पंचायत में संविदा पद पर पदस्थ अधिकारी द्वारा महिलाओं से लगातार अभद्रता पूर्वक व्यवहार किये जाने की शिकायत किये जाने के बाद भी ऐसे अधिकारी पर कोई कार्यवाही नहीं होने से महिलाओं में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। खबर के मुताबिक यह संविदा कर्मी अपनी चाटुकारिता से हर अधिकारी को अपने वश में करने का दावा करता है। यही कारण है कि अनेक महिलाओं द्वारा उक्त संविदा अधिकारी के खिलाफ की गई लंबी-चौड़ी शिकायत के बाद भी उक्त मामले पर अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई जिससे उक्त अधिकारी के हौसले बुलंद हैं। इसका दावा है कि मेरी चाहे कहीं भी, कोई भी, कितनी भी शिकायत कर ले, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। मेरी जो वाणी है, मैं वैसे ही बोलूंगा, वैसे ही महिलाओं से बर्ताव करूंगा। उनके इस कथन से महिलाओं में इस बात को लेकर जबरदस्त चर्चा है कि आखिर उक्त अधिकारी को किसका संरक्षण है जिसके चलते इस तरह का दावा कर रहा है। मिली जानकारी के अनुसार पता चला है कि गत वर्ष इस संविदा अधिकारी ने अछोटा के रीपा सेंटर में कार्यरत महिलाओं से अभद्रतापूर्वक व्यवहार किया था। यहां तक उसने खुजली वाला पौधा उनकी कुर्सियों में डालकर उन्हें शारीरिक नुकसान भी पहुंचाया था। और तो और बिजली बिल के नाम पर इस अधिकारी ने उन पर अनावश्यक दबाव डाला था। इसे लेकर वहां कार्यरत 12 महिलाओं ने इस अधिकारी को तत्काल हटाये जाने की मांग जिला पंचायत के तत्कालीन सीईओ से की थी। लेकिन जनपद पंचायत में पदस्थ संविदा अधिकारी के विरूद्ध कोई कार्यवाही नहीं की गई जिससे उसके हौसले बुलंद हैं। संसद से लेकर सड़कों तक महिलाओं के आरक्षण को लेकर भाजपा पूरी तरह से सक्रिय होकर महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने पर अडिग है वहीं शासन के एक अधिकारी द्वारा महिलाओं के साथ किये जा रहे लगातार अभद्र व्यवहार, छींटाकशी की घटना से समूचे जिले की महिलाओं में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। इन महिलाओं में से कुछ का कहना है कि सरकार महिलाओं के आत्म सम्मान को लेकर पूरी तरह मुस्तैद नजर आती है। लेकिन जब महिलाएं किसी अधिकारी के अनावश्यक दबाव एवं अभद्रतापूर्वक व्यवहार की शिकायत करती है तो उस पर जिले में बैठे अधिकारी किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं करते जबकि ऐसे गंभीर शिकायतों को लेकर ऐसे निरंकुश अधिकारी जो अपनी चाटुकारिता से हरेक अधिकारी को अपने वश में कर लेते हैं, उस पर तत्काल स्थानांतरण की गाज गिरना चाहिये था। शिकायत के बाद कोई कार्यवाही नहीं होने से उक्त अधिकारी के हौसले अब पहले से भी अधिक बुलंद हो चुके हैं। महिलाओं से आपत्तिजनक व्यवहार करना इसकी दिनचर्या में शामिल हो चुका है। अब महिलाएं इनके सामने जाने से भी कतराने लगी हैं। कुछ महिलाओं ने बताया कि सुशासन तिहार 2026 में मुख्यमंत्री के धमतरी आगमन पर हम लोग इस बार उक्त अधिकारी की शिकायत करते हुए इन पर कार्यवाही की मांग करेंगे क्योंकि जिले के अधिकारी से हम लोग कार्यवाही की उम्मीद छोड़ चुके हैं।

बताया जाता है कि उक्त संविदा अधिकारी की भर्ती प्रक्रिया भी नियम विरूद्ध है। खबर के मुताबिक उक्त अधिकारी का चयन भी संदेहास्पद है। संविदा में जाने के लिये अनेक लोगों ने अपना आवेदन किया था जिसमें सबसे अंतिम पंक्ति में इस अधिकारी का नाम शामिल था। अनेक ऐसे पात्र आवेदकों के आवेदन को नजरअंदाज कर इस अधिकारी को चयनित किया जाना अनेक संदेहों को जन्म देता है। अनेक लोगों ने इनके चयन प्रक्रिया के जांच की मांग के साथ साथ अछोटा रीपा सेंटर की महिलाओं द्वारा की गई पिछले वर्ष की गई शिकायत को लेकर भी अधिकारियों ध्यान आकर्षित किया है। इस अधिकारी का कहना है कि मेरा कोई बाल बांका नहीं कर सकता। मैं हर जगह फिट हूं, और अधिकारी मेरे ईशारे पर ही कार्य करते हैं। कुछेक लोगों ने यह भी बताया कि जितने भी कार्य जनपद में होते हैं, यहां निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के साथ साथ रीपा सेंटर जैसे अनेक महिलाओं के स्व सहायता समूह हैं, उन सभी महिलाओं के लिये आजीविका संबंधी योजनाओं का क्रियान्वयन इन्हीं के ईशारे पर होता है जबकि जनपद में सीईओ की भी पदस्थापना है परंतु न जाने क्यों न तो जिला पंचायत के सीईओ इनके विरूद्ध जांच करते हैं और नही जनपद के जिससे यह बात साबित होती है कि एक संविदा कर्मी इन सभी पर भारी है। हद तो यह है कि ग्राम पंचायत के निर्वाचित जनप्रतिनिधि जब अपने काम को लेकर सीईओ के पास जाते हैं तो उनके द्वारा संविदा अधिकारी के समक्ष उस निर्वाचित जनप्रतिनिधि को भेज दिया जाता है। यदि यह संविदा अधिकारी उनके कार्यों के संबंध में हामी भर दे तो वह कार्य स्वीकृत हो जाता है, हामी नहीं भरने की दशा में वह कार्य अस्वीकृत कर दिया जाता है। इन सभी शिकायतों में सबसे बड़ी शिकायत महिलाओं के आत्म सम्मान, मृदुभाषी व्यवहार की है। उसमें भी ये खरे नहीं उतरते। इसलिये महिलाओं के सुरक्षा को देखते हुए उक्त संविदा अधिकारी की सेवा समाप्त कर इनके खिलाफ जांच की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

वन्यप्राणी अब बस्तियों तक पहुंचने लगे हैं कुत्तों के हमले से हिरण की मौत

रायपुर। जिले के जंगलों में पानी की तलाश में वन्यप्राणी अब बस्तियों तक पहुंचने लगे हैं। इसी दौरान एक कोटरी (हिरण प्रजाति) गांव तक पहुंच गया, जहां कुत्तों के झुंड ने उस पर हमला कर दिया। हमले में कोटरी गंभीर रूप से घायल हो गया। अपनी जान बचाने के लिए वह पास के एक घर के आंगन में घुस गया। बाद में वन विभाग ने उसे पकड़कर सुरक्षित जंगल में छोड़ा, लेकिन शाम को वह मृत अवस्था में जंगल में मिला। मामला रायगढ़ वन परिक्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार बुधवार को चिराईपानी क्षेत्र के जंगल से एक कोटरी पानी की तलाश में भटकते हुए बस्ती तक पहुंच गया, तभी कुत्तों के झुंड ने उस पर हमला कर दिया। कुत्तों से बचने के लिए कोटरी गांव के निवासी मनोज डनसेना के घर के आंगन में घुस गया, लेकिन कुत्तों ने पीछा नहीं छोड़ा। इस दौरान ग्रामीणों ने स्थिति देखी और लाठी-डंडों की मदद से कुत्तों को भगाया। बताया जा रहा है कि हमले में कोटरी के पिछले पैरों में गंभीर चोट आई थी और वह भय के कारण कांप रहा था। ग्रामीणों ने घटना की सूचना वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही वनकर्मी मौके पर पहुंचे और घायल कोटरी का पशु चिकित्सक से इलाज कराया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे देलारी जंगल में सुरक्षित रूप से छोड़ दिया गया, ताकि वह प्राकृतिक वातावरण में रह सके।

छात्र ने बैराज नदी में कूदकर किया आत्महत्या पुलिस जांच में जुटी

रायपुर। शाम से लापता शिवम के लौट के आने के सारी उम्मीदें उस समय खत्म हो गई जब गुरूवार सुबह कुदरी बैराज के पास पानी में उसका शव दिखा. 40 घंटे से उसकी तलाश की जा रही थी. उसके वाटसएप मैसेज, प्रत्यक्षदर्शी ऑटो चालक व दोस्तों से बातचीत से यह अंदेशा था कि उक्त युवक ने कुदरी बैराज से नदी में छलांग लगाई है. परंतु एक आस भी थी कि हो सकता है कि उसने अपना इरादा बदल लिया हो परंतु नियति को यही मंजूर था. बताते चले कि शंकर नगर निवासी शिवम साहू लायंस स्कूल चांपा में कक्षा 11वीं (गणित) का छात्र था, मंगलवार शाम करीब 4 बजे से लापता था. प्रत्यक्षदर्शियों और दोस्तों के मुताबिक, शिवम अपने मित्रों से यह कहकर निकला था कि वह परीक्षा में सफल नहीं हो पाया है, इसलिए वह कुदरी डेम (बैराज) में जान देने जा रहा है. घटना के समय बैराज से गुजर रहे एक ऑटो चालक ने छात्र को अपना मोबाइल फेंककर पानी में कूदते देखा. चालक ने तुरंत इसकी सूचना वहां तैनात प्लांट के चौकीदार को दी और मंगलवार शाम से ही लापता छात्र की तलाश हो रही थी. जिला आपदा प्रबंधन की टीम व एसडीआरएफने रेस्क्यू शाम को अंधेरे के कारण रेस्क्यू बंद किया गया. बुधवार सुबह नदी में नहाने आये लोगों ने उसकी लाश को देखा और इसकी सूचना दी. शव बाहर निकालकर उसे परिजनों को सौंपा गया.

तेज रफ्तार कार पार्सल वाहन से टकराई, एसईसीएल कर्मचारी की मौत

रायपुर। जिले में रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है. बांगों थाना अंतर्गत नेशनल हाइवे-130 में चोटिया के पास दर्दनाक हादसा हुआ. प्रमोशन मिलने के बाद ड्यूटी ज्वाइन करने सिंगरौली जा रहे एसईसीएल गेवरा एरिया के पूर्व जीएम अरुण कुमार त्यागी की कार का शिकार हो गई. घटना में उनकी मौत हो गई है. जानकारी के मुताबिक, एसईसीएल गेवरा एरिया के पूर्व महाप्रबंधक अरुण त्यागीको हाल ही में निर्देशक तकनीकी (डीटी) के पद पर प्रमोशन मिला था. वह ड्यूटी ज्वाइन करने के लिए कार से सिंगरौली जा रहे थे. इसी दौरान एनएच-130 में चोटिया क्षेत्र के पास उनकी कार आगे चल रही पार्सल वाहने से जा टकराई. भीषण हादसे में अरुण त्यागी गंभीर रूप से घायल हो गए. उन्हें शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आई. आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया. जहां उन्हें डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया.

अटारी रोड पर ट्रेलर से अफीम-डोडा बरामद, रायपुर पुलिस ने पंजाब निवासी तस्कर गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर में मादक पदार्थों की बड़ी खेप खपाने की तैयारी कर रहे तस्कर पर पुलिस ने ऐसा शिकंजा कसा कि ट्रेलर समेत पूरा खेल मौके पर ही खत्म हो गया। आमानाका थाना पुलिस ने मुखबिर की सटीक सूचना पर अटारी रोड में घेराबंदी कर एक आरोपी को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से 79.30 ग्राम अफीम, 4 किलो 432 ग्राम डोडा और परिवहन में इस्तेमाल किया जा रहा ट्रेलर जब्त किया गया है। जब्त मशरूका की कुल कीमत करीब 15 लाख 25 हजार रुपये बताई जा रही है। मामला 7 मई 2026 का है, जब थाना आमानाका पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम अटारी रोड स्थित डीआरजी ट्रांसपोर्ट के सामने खड़े ट्रेलर क्रमांक छक-05-क्र-9313 का चालक प्रतिबंधित मादक पदार्थ अफीम और डोडा लेकर बिक्री की फिराक में मौजूद है।

सुशासन तिहार : मंत्री टंकराम वर्मा ने झुमका में ग्रामीणों को बांटी खुशियां

सरकार की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही को मिलें...

- ट्रैक्टर की चाबी और चेक पाकर खिले हितग्राहियों के चेहरे

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने के संकल्प के साथ सरसीवा तहसील के ग्राम पंचायत झुमका में 'सुशासन तिहार' के अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में प्रदेश के राजस्व एवं उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा शामिल हुए। मंत्री श्री वर्मा ने शिविर में विभागीय स्टालों का अवलोकन कर आवेदन निराकरण की स्थिति जानी। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने हितग्राहियों को ट्रैक्टर की चाबी, अनुदान राशि के चेक, प्रमाण पत्र और अन्य सामग्री भेंट कर उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए। इस शिविर में कुल 2310 आवेदन प्राप्त हुआ जिसमे से 272 का ?तत्काल निराकरण किया गया। एक कृषक हितग्राही को ट्रैक्टर खरीदी पर 2.50 लाख रुपये का अनुदान और कई किसानों को बोर खनन हेतु 43 हजार रुपये के चेक वितरित किये गए। इसी तरह नन्हे बच्चों का अन्नप्राशन, गर्भवती महिलाओं को उपहार और आयुष्मान कार्ड का भी वितरण किया गया। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए मंत्री टंकराम वर्मा ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार 'अंत्योदय' के सिद्धांत पर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के हर पात्र हितग्राही को उनका हक मिलेगा, यह सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि शिविर में प्राप्त एक-एक आवेदन का निराकरण समय-सीमा के भीतर हो। शिविर में प्रशासन ने सक्रियता दिखाते हुए विभिन्न विभागों के माध्यम से बड़ी संख्या में लाभान्वित किया गया। शिविर में किसान पुस्तिका, बी-1 और विद्यार्थियों को जाति प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इसी तरह ?मत्स्य एवं खाद्य विभाग द्वारा मछुआरों को जाल और पात्र परिवारों को नए राशन कार्ड सौंपे गए। दिव्यांग प्रमाण पत्र, पेंशन स्वीकृति और प्रधानमंत्री आवास के पूर्णता प्रमाण पत्र बांटने के साथ-साथ स्वास्थ्य एवं आयुर्वेद विभाग द्वारा शिविर लगाकर ग्रामीणों का निःशुल्क परीक्षण किया गया। कार्यक्रम में बिलाईगढ़ विधायक कविता लहरे,जिला पंचायत अध्यक्ष संजय पांडेय,और ग्राम पंचायत झुमका के सरपंच धनंजय साहू,कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू,सहित जिला प्रशासन के आला अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में जुटे ग्रामीणों ने शासन की इस पहल की सराहना करते हुए विभिन्न योजनाओं के लिए अपना पंजीयन कराया।

अब कोई भी गाँव पहुँचविहीन नहीं रहेगा

राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने शनिवार को जिला बलौदाबाजार-भटापारा जिला के तहसील सुहेला के अंतर्गत ग्राम पंचायत पड़कीडीह में विकास की नई इबारत लिखी। मंत्री श्री वर्मा ने कुल 5 करोड़ 39 लाख रुपए के विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इसमें क्षेत्र की वर्षों पुरानी माँग को पूरा करते हुए बंजारी नाला पर बनने वाले वृहद पुल का आधारशिला रखना प्रमुख रहा।

जंगलों में फेंके जाने वाले छिंद के बीजों से तैयार हुई अनोखी हर्बल कॉफी....

- युवा उद्यमी विशाल हालदार का कमाल कचरे से कंचन बनाने के नवाचार को मुख्यमंत्री ने भी सराहा

रायपुर। संवाददाता

छिंद, खजूर, पाम के बीज, के वेस्ट बीजों से अब स्वास्थ्यवर्धक और स्वादिष्ट हर्बल कॉफी बनाई जा रही है। यह नवाचार न केवल बेकार बीजों का सदुपयोग करता है, बल्कि एक स्वास्थ्यवर्धक कैफीन. मुक्त पेय भी प्रदान करता है। यह कॉफी कैफीन मुक्त है, जो इसे अनिद्रा, हाई ब्लड प्रेशर और एसिडिटी के मरीजों के लिए एक बेहतरीन विकल्प बनाती है। यह नवाचार न केवल पर्यावरण के अनुकूल है, बल्कि छत्तीसगढ़ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। बस्तर का नैसर्गिक सौंदर्य अब केवल अपनी हरियाली के लिए ही नहीं, बल्कि एक सुगंधित क्रांति के लिए भी जाना जाएगा। दंतेवाड़ा जिले के बचेली निवासी युवा नवाचारी विशाल हालदार ने अपनी जड़ों से जुड़कर एक ऐसा प्रयोग किया है, जिसने बेकार समझे जाने वाले संसाधनों को बहुमूल्य बना दिया है। विशाल ने छिंद (खजूर की स्थानीय प्रजाति) के बीजों से कैफीन मुक्त हर्बल कॉफी तैयार कर आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ाया है। बीकॉम और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट की पढ़ाई करने वाले विशाल ने करीब दो साल के गहन शोध के बाद इस हर्बल कॉफी को विकसित किया है। बस्तर के जंगलों में प्रचुरता से मिलने वाले छिंद के बीज, जो अब तक व्यर्थ फेंक दिए जाते थे। यह कॉफी पूरी तरह कैफीन मुक्त है, जिससे स्वास्थ्य पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता। इसमें प्रचुर मात्रा में एंटी ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जो इसे साधारण कॉफी से अधिक स्वास्थ्यवर्धक बनाते हैं। विशाल के इस अभिनव प्रयोग को शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, जगदलपुर में आयोजित इनोवेशन महाकुंभ में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

सशक्तिकरण की मिसाल बना गायत्री महिला स्व-सहायता समूह

- चूल्हे-चौके से बिजनेस तक गायत्री समूह की 12 महिलाओं ने टेंट हाउस के जरिए लिखी सफलता की नई दास्तां

रायपुर। संवाददाता

आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की जीवंत मिसाल स्वयं सहायता समूहों और सरकारी योजनाओं से जुड़कर अपने भाग्य को बदलने वाली ग्रामीण महिलाएं हैं। महिलाओं की संघर्ष यह दर्शाती है कि आत्मनिर्भरता से न केवल आर्थिक स्थिति सुधरती है, बल्कि उन्हें समाज में सम्मान और निर्णय लेने का अधिकार भी मिलता है। जहाँ महिलाएं घर से निकलकर उद्यमी बन रही हैं, आत्मनिर्भर भारत का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के सीपत क्षेत्र स्थित ग्राम कर्रा (हि.) की महिलाओं ने साबित कर दिया है कि यदि इरादे फौलादी हों, तो सफलता कदम चूमती है। बिहान योजना से जुड़कर गायत्री महिला स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने सामूहिक प्रयास और दृढ़ आत्मविश्वास के बल पर न केवल आर्थिक स्वावलंबन प्राप्त किया है, बल्कि समाज के सामने सशक्तिकरण का एक जीवंत उदाहरण भी पेश किया है। ये मिसालें साबित करती हैं कि कौशल विकास, आत्मविश्वास, और वित्तीय स्वतंत्रता जैसे मुद्रा ऋण से महिलाएं न केवल अपने परिवार को बल्कि समाज को भी मजबूत कर रही हैं। श्रीमती गौरी यादव (अध्यक्ष) और श्रीमती पांचो श्रीवास (सचिव) के कुशल नेतृत्व में संचालित इस 12 सदस्यीय समूह को शासन की योजनाओं से संबल मिला ।

सुशासन तिहार 2026 से गायत्री गुप्ता को मिली स्वास्थ्य सुरक्षा की सौगात गांव में ही बना आयुष्मान कार्ड, अब 5 लाख रुपये तक के निःशुल्क इलाज की सुविधा

कांग्रेस और भ्रष्टाचार एक-दूसरे के पर्याय : केदार कश्यप

कांग्रेस ने बोरे-बासी खाने में भी कर डाला 8 करोड़ का घोटाला..

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश के वन एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने मजदूर दिवस पर बोरे-बासी खाने से जुड़े प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि कांग्रेस विलायती रीति-नीति को महत्व देती है, तभी तो मजदूर दिवस के दिन कांग्रेस के नेताओं ने कांग्रेस शासन काल में मजदूर दिवस के दिन बोरे-बासी खाने के नाम पर 8 करोड रुपए का घोटाला कर डाला। कश्यप ने कहा कि कांग्रेस ने जन-धन की लूट के लिए कोई दिन नहीं छोड़ा। आपदा को अवसर में बदलने वाली कांग्रेस पार्टी को छत्तीसगढ़ की पारंपरिक धरोहर एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों से कोई सरोकार नहीं है, उन्हें तो केवल प्रदेश एवं देश की जनता को केवल लूटना और भ्रमित करना है। प्रदेश के वन मंत्री कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ की परम्परा एवं धरोहर को बचाने व सजाने का काम भाजपा सरकार ने किया। डॉ रमन सिंह के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ को एवं छत्तीसगढ़ी परम्परा को आगे बढ़ाने का काम भाजपा की सरकार ने किया। लेकिन जब जनता ने कांग्रेस को प्रदेश में सत्ता की बागडोर सौंपी तो कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ी परम्पराओं को ताक पर रखकर केवल लूट मचाने का काम किया। बोरे-बासी खाने के लिए मजदूर दिवस पर 8 करोड़ रुपए का घोटाला कर डाला। प्रदेश में पुनः भाजपा की सरकार बनते ही छत्तीसगढ़ी परम्पराओं को फिर से महत्व मिला और मजदूरों को सम्मान मिला।

जनजातीय योजनाओं की मॉनिटरिंग को मिली नई रफ्तार

रायपुर। मंत्री रामविचार नेताम ने आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के अंतर्गत योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए 8 जिलों के लिए नए विभागीय वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि मैदानी क्षेत्रों में योजनाओं के संचालन एवं मॉनीटरिंग में वाहन सुविधा की कमी लंबे समय से महसूस की जा रही थी, जिसे अब दूर किया जा रहा है। इससे दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों तक विभागीय गतिविधियों की पहुंच और अधिक मजबूत होगी।मंत्री नेताम ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक समयबद्ध तरीके से पहुंचे। नए वाहनों की उपलब्धता से जिला एवं विकासखंड स्तर पर अधिकारियों और मैदानी अमले को योजनाओं के क्रियान्वयन, निरीक्षण, मॉनीटरिंग तथा हितग्राहियों तक पहुंचने में सुविधा मिलेगी। इससे विशेष पिछड़ी जनजातियों एवं अनुसूचित जाति वर्ग के लिए संचालित योजनाओं में तेजी आएगी।मंत्री नेताम ने विभागीय अधिकारियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद विभाग लगातार बेहतर कार्य कर रहा है।

कबाड़ में जान फूंक दी जशपुर के वेस्ट टू बेस्ट इको पार्क ने

- नवाचार और संरक्षण का बना छत्तीसगढ़ में मॉडल

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले ने स्वच्छता और नवाचार की दिशा में एक अनूठी मिसाल पेश की है। जिले के दुलदुला जनपद पंचायत के समीप विकसित किया गया इको पार्क आज न केवल स्थानीय पर्यटन का केंद्र बना हुआ है, बल्कि वेस्ट टू बेस्ट (कबाड़ से जुगाड़) की अवधारणा को धरातल पर उतारने वाला एक उत्कृष्ट मॉडल भी बन गया है। अनुपयोगी और बेकार समझी जाने वाली सामग्रियों से सजी इस सुंदर संरचना ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति एक नई सोच जागृत की है। इस पार्क की सबसे बड़ी विशेषता इसका निर्माण है। यहाँ फेंके गए पुराने टायरों, लोहे के कबाड़ और अन्य बेकार वस्तुओं का इस्तेमाल कर अत्यंत आकर्षक कलाकृतियां बनाई गई हैं। लोहे के बेकार पार्ट्स से घोड़ा, मयूर और तितली जैसी सजीव आकृतियां गढ़ी गई हैं। इसी तरह पुराने टायरों को रंग-बिरंगे झूलों में तब्दील कर दिया गया है, जो बच्चों के आकर्षण का मुख्य केंद्र हैं। इको पार्क को केवल सजावट तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे एक संपूर्ण सामुदायिक केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। युवाओं और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक नागरिकों के लिए आधुनिक ओपन जिम की सुविधा दी गई है।

नेशनल लोक अदालत

11 खण्डपीठों के माध्यम से प्रकरणों का हुआ सफल निराकरण

- 31 हजार से अधिक प्रकरणों का हुआ निराकरण, बिछड़े परिवारों में लौटी खुशियां
- जिले में 10.77 करोड़ रुपये से अधिक राशि के मामलों का हुआ समाधान, वैवाहिक विवादों में समझौते से परिवारों का हुआ पुनर्मिलन

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ राज्य में आज 9 मई को तालुका न्यायालय के स्तर से लेकर उच्च न्यायालय तक सभी न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत आयोजित किया गया। छत्तीसगढ़ में आयोजित इस नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ माननीय उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ के मुख्य न्यायमूर्ति महोदय श्री रमेश सिन्हा, के द्वारा वर्चुअल माध्यम से किया गया। जिसके पश्चात जिला कबीरधाम में आयोजित इस नेशनल लोक अदालत में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश / अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कु0 संघरत्ना भतपहरी के द्वारा उक्त नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ किया गया । नेशनल लोक अदालत को यादगार बनाने सेल्फी प्वाइंट तथा स्वास्थ्य शिविर की भव्यता नेशनल लोक अदालत में देखते ही बन रही थी। जिला न्यायालय के प्रवेश द्वार पर सेल्फी प्वाइंट बनाया गया था, जिसमे पक्षकार अपनी मनमोहक फोटो तस्वीरों के माध्यम से जीवंत रख रहे थे। इस दौरान न्यायालय परिसर में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में आये हुए पक्षकारों द्वारा स्वास्थ्य लाभ भी लिया जा रहा था। उक्त लोक अदालत में जिले में कुल 11 खण्डपीठ गठित किया गया था, जिसमें से 10 खण्डपीठ जिला मुख्यालय कबीरधाम तथा 01 खण्डपीठ व्यवहार न्यायालय पण्डरिया में गठित की गई थी। जिसमें राजीनामा योग्य समस्त दाण्डिक मामले, चेक बाउन्स के प्रकरण, समस्त प्रकार के व्यवहार वाद प्रकरण, मोटर दुर्घटना से उत्पन्न दावा प्रकरण, कुटुम्ब न्यायालय में लंबित वैवाहिक विवाद से संबंधित प्रकरण, इसके साथ ही प्री-लिटिगेशन (मुकदमा पूर्व वाद प्रकरण) यथा बिजली बिल, दूरभाष, बैंक लोन, जल कर से संबंधित प्रकरण रखे गये थे। उल्लेखनीय है कि, नेशनल लोक अदालत के खण्डपीठ क्रमांक 01 में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश कबीरधाम कु0 संघरत्ना भतपहरी द्वारा मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण में कुल 28,60,000/- रूपये का अवार्ड राशि पारित किया गया। खण्डपीठ क्रमांक 02 में परिवार न्यायालय कबीरधाम में पीठासीन अधिकारी श्री प्रवीण कुमार प्रधान, द्वारा परिवार न्यायालय में वैवाहिक विवाद से संबंधित प्रकरण में कुल 25 प्रकरण का निराकरण करते हुए वैवाहिक संबंधों में मधुरता स्थापित करते हुए सुखद दाम्पत्य का पुर्नस्थापन किया गया। खण्डपीठ क्रमांक 03 में पीठासीन अधिकारी श्रीमती योगिता विनय वासनिक द्वारा विद्युत प्रकरण में कुल 2,78,997/- रूपये राशि का वसूली करते हुए प्रकरण का निराकरण किया गया। इसी अनुक्रम में राजस्व न्यायालय में कुल 22589 लंबित प्रकरणों का निराकरण करते हुए लाभान्वित हितग्राहियों को कुल 10,38,17,286/- रूपये का निराकरण किया गया।

संपादकीय

गैस-डीजल पर चुनाव के बाद झटका या वैश्विक असर?

कहने को ताजा बढ़ोतरी का असर आबादी के एक छोटे हिस्से पर पड़ने की बात कही जा रही है, लेकिन इतना तय है कि इसका दायरा बड़ा होने वाला है। पिछले करीब दो महीने से पश्चिम एशिया में संघर्ष के बीच वैश्विक स्तर पर जिस तरह की परिस्थितियां पैदा हुई हैं, उसमें रोजमर्रा की जरूरत की चीजों की आपूर्ति बाधित होने के साथ ही महंगाई की रफ्तार भी तेज हुई है। ऐसे में भारत में भी महंगाई के बेलगाम होने की आशंका पहले से जताई जा रही थी। मगर ऐसा लगता है कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर ही सरकार ने जरूरी चीजों की कीमतों की लगाम को थाम के रखा हुआ था। गौरतलब है कि शुक्रवार को खाना पकाने के वाणिज्यिक गैस सिलेंडर की कीमत में नौ सौ तिरानबे रुपए की भारी बढ़ोतरी कर दी गई।वहीं चूंकि सामान्य घरेलू गैस सिलेंडर की आपूर्ति बाधित है, इसलिए पांच किलो गैस वाले छोटे सिलेंडर उपलब्ध तो कराए जा रहे हैं, लेकिन उसकी कीमत में भी दो सौ इकसठ रुपए की बढ़ोतरी कर दी गई और अब इसके लिए उपभोक्ताओं को आठ सौ दस रुपए पचास पैसे देने होंगे। इसके अलावा, विमान ईंधन और थोक डीजल के मूल्य में भी वृद्धि की गई है।कहने को ताजा बढ़ोतरी का असर आबादी के एक छोटे हिस्से पर पड़ने की बात कही जा रही है, लेकिन इतना तय है कि इसका दायरा बड़ा होने वाला है। मसलन, केवल वाणिज्यिक गैस सिलेंडर को ही देखें, तो इसकी कीमत अब तीन हजार रुपए से भी ज्यादा हो गई है। जाहिर है, होटल, ढाबे या खाना पकाने का व्यवसाय करने वाले लोग अगर इसका उपयोग करेंगे, तो सीधे-सीधे इसका असर खाने-पीने की चीजों की कीमतों और लोगों की थाली पर पड़ेगा। संभव है कि कम आय वाले लोगों के व्यवसाय पर भी इसका विपरीत असर पड़े।फिर इस बात की क्या गारंटी है कि जिन कारणों से वाणिज्यिक गैस सिलेंडर के दाम में इजाफा करने को उचित ठहराया जा रहा है, उसी तरह के दूसरे कारण से आने वाले दिनों में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत नहीं बढ़ाई जाएगी। आखिर छोटे सिलेंडर की कीमत में खासी बढ़ोतरी कर ही दी गई है, जिसका उपयोग आमतौर पर प्रवासी मजदूर से लेकर आर्थिक रूप से कमजोर तबके के लोग करते हैं। इसी तरह, अब यह कहना मुश्किल है कि विमान ईंधन और थोक डीजल के मूल्यों में वृद्धि केवल यहीं तक रुक जाएगी। अभी से आम उपयोग वाले पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका जताई जाने लगी है।जाहिर है, एक ऐसा दौर शुरू हो चुका है, जिसमें महंगाई का दुश्चक्र आने वाले दिनों में और ज्यादा जटिल होता दिख रहा है। खासतौर पर डीजल की कीमतों में इजाफे के बाद ढुलाई का खर्च बढ़ेगा और इसके बाद चौतरफा महंगाई की मार सबके लिए एक बड़ी चुनौती बन सकती है। वैश्विक स्तर पर पसरी अस्थिरता की वजह से अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर हाल के दिनों में जो सुस्ती देखी जा रही है, बाजार भी तेज उतार-चढ़ाव से गुजर रहा है, उसमें एक बड़ी आबादी रोजी-रोजगार के सवालों से जूझ रही है।लगातार घटती क्रयशक्ति के दौर में महंगाई की मार का असर कितना गहरा हो सकता है, इसका बस अंदाजा ही लगाया जा सकता है। सवाल है कि अगर पश्चिम एशिया में युद्ध की वजह से उपजे संकट के बावजूद सरकार ने करीब दो महीने तक तेल और गैस की कीमतों को कमोबेश थाम कर रखा था और इनकी उपलब्धता के वैकल्पिक रास्ते निकाल रही थी।

धर्म शासित ईरान की सामरिक-आक्रामक तैयारी व बढ़ती सैन्य क्षमता गैर इस्लामिक देशों के लिए नसीहत है, कैसे?

भारत के निकटम पड़ोसी देश ईरान की सामरिक और आक्रामक तैयारी पूरी भारत-इजरायल समेत पूरी दुनिया के लिए नसीहत बन गई है, क्योंकि उसने सीमित संसाधनों और भारी पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद 'असममित युद्ध' की ऐसी क्षमता विकसित कर ली, जिसने अमेरिका, इजराइल और पश्चिमी सैन्य गठबंधनों को भी नई रणनीति बनाने और उससे आगे की सोचने पर मजबूर कर दिया है। यदि समय रहते इसकी काट विकसित नहीं की गई, तो अरब देशों पर अमेरिका के बाद चीन की पकड़ मजबूत होगी, क्योंकि उसके साथ ईरान का सहयोगी रूस भी खड़ा है। वहीं, इस्लामिक मुल्क के नाम पर मुस्लिम देशों का अंदरूनी झुकाव भी उसकी ओर है, जिससे रूसी मित्रता और चीनी छल की चक्की में भारत के पिसने के आसार प्रबल हैं।

(कमलेश पांडे)

मिसाइल, ड्रोन और प्रॉक्सी का संयुक्त मॉडल ही ईरानी सफलता का सूत्र है, क्योंकि ईरान ने केवल अपनी सेना पर निर्भर रहने के बजाय क्षेत्रीय नेटवर्क तैयार किया–हिजबुल्लाह, हूती और अन्य सहयोगी समूहों के माध्यम से उसने बहु-स्तरीय दबाव बनाया। यह 'हाईब्रिड वारफेयर' का आधुनिक मॉडल है।

भारत के निकटम पड़ोसी देश ईरान की सामरिक और आक्रामक तैयारी पूरी भारत-इजरायल समेत पूरी दुनिया के लिए नसीहत बन गई है, क्योंकि उसने सीमित संसाधनों और भारी पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद 'असममित युद्ध' की ऐसी क्षमता विकसित कर ली, जिसने अमेरिका, इजराइल और पश्चिमी सैन्य गठबंधनों को भी नई रणनीति बनाने और उससे आगे की सोचने पर मजबूर कर दिया है। यदि समय रहते इसकी काट विकसित नहीं की गई, तो अरब देशों पर अमेरिका के बाद चीन की पकड़ मजबूत होगी, क्योंकि उसके साथ ईरान का सहयोगी रूस भी खड़ा है।

वहीं, इस्लामिक मुल्क के नाम पर मुस्लिम देशों का अंदरूनी झुकाव भी उसकी ओर है, जिससे रूसी मित्रता और चीनी छल की चक्की में भारत के पिसने के आसार प्रबल हैं। अनुभव बताता है कि ईरान अपने पड़ोसी देशों पाकिस्तान और अफगानिस्तान पर ज्यादा भरोसा करता है और इस्लामिक नाटो का पक्षधर भी है, इसलिए ईरान के मामले में भारत की जरा सी रणनीतिक लापरवाही उसे चीनी चक्रव्यूह में घिरे अभिमन्यु वाली कर देगी, क्योंकि भारत की हिन्दू विरोधी मुस्लिम राजनीति के आर्थिक स्रोत भी इस्लामिक मुल्कों से ही जुड़े बताए जाते हैं।

पहले ईरान से भारत-इजरायल समेत शेष दुनिया को मिलने वाली प्रमुख सामरिक सीखें निम्नलिखित हैं–

पहला, आत्मनिर्भर सैन्य उत्पादन सबसे बड़ी ताकत है क्योंकि ईरान ने दशकों के प्रतिबंधों के बावजूद अपने मिसाइल, ड्रोन और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध तंत्र को घरेलू स्तर पर विकसित किया। आज उसके पास मध्य-पूर्व का सबसे बड़ा बैलिस्टिक मिसाइल भंडार माना जाता है। चूंकि वहां के लोग ज्यादा पढ़े लिखे होते हैं और ईरान ने लोकतंत्र की बजाय समानांतर कट्टर धार्मिक तंत्र विकसित कर लिया, जिससे भारत को अवश्य सीखने की जरूरत है। क्योंकि ईरान की इस नीति का संदेश स्पष्ट है- जो देश रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर होगा, वही लंबे संघर्ष में टिकेगा।

दूसरा, ड्रोन युद्ध ने युद्ध की परिभाषा ही बदल दी है, क्योंकि ईरान ने कम लागत वाले ड्रोन को रणनीतिक हथियार बना दिया। उसने दिखाया कि हजारों करोड़ की एयर डिफेंस प्रणाली को सस्ते ड्रोन झुंड से भी चुनौती दी जा सकती है। इसलिए आज अमेरिका तक स्वीकार कर रहा है कि महंगे इंटरसेप्टर मिसाइलों के मुकाबले सस्ते ड्रोन कास्ट इमबैलेंस पैदा कर रहे हैं।

तीसरा, युद्ध केवल हथियार नहीं, धैर्य से जीता जाता है, यही बात ईरान ने दुनिया को सिखलाया है। जिस तरह से उसने अमेरिका-इजरायल के यौद्धिक गुरूर को तोड़ा है, वह शोध का विषय है, क्योंकि रूस-चीन के नैतिक मदद से उसने यह सफलता हासिल की है। ईरान ने प्रत्यक्ष युद्ध से अधिक लंबी थकाऊ लड़ाई की रणनीति अपनाई। उसका उद्देश्य तत्काल जीत नहीं, बल्कि विरोधी की आर्थिक, सैन्य और मनोवैज्ञानिक क्षमता को थकाना रहा। यह आधुनिक युद्ध की नई वास्तविकता है- हर युद्ध बेलटेजरिंग नहीं होता; कई युद्ध विरोधी को थकाकर जीते जाते हैं।

चौथा, कमांड सिस्टम का बैकअप अत्यंत जरूरी होता है, ताकि भारी हमलों और शीर्ष कमांडरों के मारे जाने के बावजूद ईरान का सैन्य कमांड ढांचा पूरी तरह ध्वस्त नहीं हुआ। उसने पहले से वैकल्पिक नेतृत्व और विकेंद्रीकृत कमांड संरचना तैयार कर रखी थी। यह हर राष्ट्र के लिए बड़ा संदेश है कि–युद्ध में नेतृत्व का विकल्प पहले से तैयार होना चाहिए।

पांचवां, मिसाइल, ड्रोन और प्रॉक्सी का संयुक्त मॉडल ही ईरानी सफलता का सूत्र है, क्योंकि ईरान ने केवल अपनी सेना पर निर्भर रहने के बजाय क्षेत्रीय नेटवर्क तैयार किया– हिजबुल्लाह, हूती और अन्य सहयोगी समूहों के माध्यम से उसने बहु-स्तरीय दबाव बनाया। यह हाईब्रिड वारफेयर का आधुनिक मॉडल है।

छठा, समुद्री मार्गों पर नियंत्रण की शक्ति विकसित करके आक्रमणकारियों को तोड़ना ईरानी दूरदर्शिता का ही तकाजा है, क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान का प्रभाव पूरी दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा को प्रभावित करता है। इसी कारण अमेरिका और पश्चिम लगातार उस क्षेत्र में सैन्य उपस्थिति बढ़ाते रहे हैं। इससे यह सिद्ध होता है–भूगोल भी उतना ही बड़ा हथियार है जितना मिसाइल।

सातवां, तकनीकी युद्ध में सस्ता हथियार भी निर्णायक होता है, यह ईरान ने साबित कर दिया है। ईरान ने दिखाया कि हर युद्ध अत्याधुनिक स्टील्थ फाइटर से नहीं जीता जाता। कभी-कभी सस्ती, तेज और बड़ी संख्या में उपलब्ध तकनीक अधिक प्रभावी होती है।

निष्कर्षतः ईरान की तैयारी गैर इस्लामिक दुनिया को यह सिखाती है कि आधुनिक युद्ध केवल परमाणु बम या महंगे लड़ाकू विमानों से नहीं लड़े जाते। आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन, ड्रोन तकनीक, मिसाइल क्षमता, साइबर-रणनीति, वैकल्पिक नेतृत्व और मनोवैज्ञानिक युद्ध–ये सब मिलकर किसी राष्ट्र को सामरिक शक्ति बनाते हैं। इसीलिए आज अमेरिका, इजराइल, रूस, चीन और भारत समेत दुनिया की बड़ी सैन्य शक्तियां भी ईरानी मॉडल का गंभीर अध्ययन कर रही हैं।

एक बात और, ईरान के सामरिक मॉडल से भारत के लिए सबसे बड़ा सबक यह है कि केवल पारंपरिक सैन्य शक्ति पर्याप्त नहीं होती; दीर्घकालिक सुरक्षा के लिए बहुस्तरीय राष्ट्रीय प्रतिरोध क्षमता विकसित करनी पड़ती है। विशेषकर तब, जब भारत को दशकों से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद, कट्टरपंथ और चीन-पाकिस्तान जैसे सामरिक गठबंधनों का सामना करना पड़ रहा हो।

हालांकि यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि इस्लामिक देश एक समान इकाई नहीं हैं। भारत के कई इस्लामी देशों–जैसे संयुक्त अरब अमीरात यूएई, सऊदी अरब, इंडोनेशिया और कतर–से मजबूत रणनीतिक और आर्थिक संबंध हैं। भारत की मुख्य सुरक्षा चुनौती कुछ कट्टरपंथी नेटवर्क, आतंकवादी संरचनाओं और शत्रुतापूर्ण राज्य-नीतियों से रही है, न कि सम्पूर्ण इस्लामी विश्व से।

भारत के लिए प्रमुख सबक इस प्रकार हैं

पहला, आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन ही निर्णायक सुरक्षा- ईरान ने प्रतिबंधों के बावजूद अपने ड्रोन, मिसाइल और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध तंत्र विकसित किए। भारत के लिए इसका अर्थ है कि विदेशी हथियारों पर अत्यधिक निर्भरता घटानी होगी। आत्मनिर्भर भारत को केवल नारा नहीं, बल्कि युद्धकालीन औद्योगिक क्षमता बनाना होगा।

दूसरा, सस्ते ड्रोन बनाम महंगी सुरक्षा- ईरान ने दिखाया कि कम लागत वाले ड्रोन भी महंगी एयर डिफेंस प्रणाली को चुनौती दे सकते हैं। भारत को सीमा सुरक्षा, आतंकवाद-रोधी अभियानों और समुद्री निगरानी के लिए बड़े पैमाने पर स्वदेशी ड्रोन नेटवर्क बनाना होगा।

तीसरा, मोज़ेक डिफेंस मॉडल- ईरान की विकेंद्रीकृत सैन्य संरचना–जहां शीर्ष नेतृत्व पर हमला होने के बाद भी स्थानीय इकाइयाँ लड़ती रहती हैं–भारत के लिए महत्वपूर्ण संकेत है। भारत को भी साइबर, सीमा, वायु और समुद्री मोर्चों पर ऐसी बहुस्तरीय कमांड संरचना विकसित करनी होगी जो अचानक हमले में भी सक्रिय रहे।

चौथा, केवल सीमा नहीं, मनोवैज्ञानिक युद्ध भी- आधुनिक संघर्ष अब केवल बंदूक और मिसाइल का नहीं, बल्कि सूचना और नैरेटिव का भी है। भारत को फेक न्यूज़, साइबर-प्रोपेगेंडा और धार्मिक कट्टरता आधारित डिजिटल अभियानों से निपटने के लिए राष्ट्रीय सूचना सुरक्षा ढांचा मजबूत करना होगा।

पांचवां, लंबी लड़ाई की तैयारी- ईरान ने दिखाया कि 'वार आफ आर्टीशन' यानी विरोधी को धीरे-धीरे थकाना भी रणनीति हो सकती है। भारत को सीमित अवधि के युद्ध की सोच से आगे जाकर लंबे संघर्ष, आपूर्ति श्रृंखला और गोला-बारूद भंडारण की तैयारी करनी होगी।

छठा, ऊर्जा सुरक्षा भी राष्ट्रीय सुरक्षा है- यदि पश्चिम एशिया में बड़ा युद्ध होता है, तो भारत को तेल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। इसलिए सामरिक तेल भंडार, वैकल्पिक ऊर्जा और समुद्री मार्ग सुरक्षा भारत के लिए अत्यंत आवश्यक है।

सातवां, संयुक्त युद्ध की तैयारी- आज युद्ध भूमि, समुद्र और आकाश तक सीमित नहीं है; साइबर, स्पेस और इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र भी युद्धक्षेत्र बन चुके हैं। भारत को थिएटर कमांड, एआई आधारित निगरानी और संयुक्त सैन्य संचालन को तेज करना होगा।

आठवां, राष्ट्रीय एकता सबसे बड़ी सुरक्षा- ईरान के उदाहरण से यह भी स्पष्ट हुआ कि बाहरी दबाव के समय आंतरिक सामाजिक एकता निर्णायक होती है। भारत जैसे विविधतापूर्ण राष्ट्र में सांप्रदायिक विभाजन, राजनीतिक ध्रुवीकरण और सामाजिक अविश्वास राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर कर सकते हैं।

निष्कर्षतया यह कहा जा सकता है कि भारत के लिए सबसे बड़ा सबक यह है कि भविष्य का युद्ध केवल सेना नहीं, बल्कि पूरा राष्ट्र लड़ता है–तकनीक, अर्थव्यवस्था, साइबर क्षमता, ऊर्जा सुरक्षा, सामाजिक एकता और मनोवैज्ञानिक दृढ़ता–सब मिलकर राष्ट्रीय शक्ति बनाते हैं। ईरान ने दुनिया को यह दिखाया कि सीमित संसाधनों वाला राष्ट्र भी यदि आत्मनिर्भर, संगठित और रणनीतिक रूप से धैर्यवान हो, तो वह कहीं बड़ी शक्तियों को भी लंबे समय तक चुनौती दे सकता है।

झालमुड़ी की झाल सदा रहेगी याद ...!

झालमुड़ी जिसे हमारे छत्तीसगढ़ में भेल के नाम से जाना जाता है , पश्चिम बंगाल में अपने झाल (तीखापन) का ऐसा प्रभाव छोड़ा कि उसकी तीव्र जलन सदा याद रहेगी ! देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में चुनावी रैली के दौरान सड़क किनारे दस रुपए की झालमुड़ी क्या खाई , राजनीतिक सियासत ही हिल गई । वही झाल ममता के लिए निर्ममता बन कर फूट पड़ी ! 4 मई को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के परिणामों के प्रारंभिक रुझानों ने मोदी की झालमुड़ी के तीखेपन को और भी अधिक जलन पैदा करने वाला बना दिया । दीदी तो दीदी उनके भाइयों सहित रिश्ते के हर सदस्य को झालमुड़ी का स्वाद अब हमेशा याद रहेगा । झालमुड़ी का ऐसा प्रभाव शायद ही किसी ने पहले कभी देखा हो ? चुनावी नतीजों के साथ बंगाल के ÷ रसोगुल्ला ÷ को भूलकर लोगों ने झालमुड़ी की ओर लपकना शुरू कर दिया । भला हो देश के प्रधानमंत्री का जिसने ठेलों - खोमचों में घूम - घूमकर झालमुड़ी बेचने वालों की दीवाली मना दी ! मैं कह सकता हूं कि पश्चिम बंगाल में झालमुड़ी महज एक स्ट्रीट फूड नहीं बल्कि 2026 के चुनावों में एक तीखा राजनीतिक प्रतीक अथवा व्यंग्य बन गई है । परिणामों के बाद आ रहे व्यंग्य और मीम्स ने दीदी के राजनीतिक भविष्य पर जैसे ग्रहण ही लगा दिया हो । कच्चे सरसों के तेल की झाल दीदी को ऐसी जलन दे गई , जिसे बरनाल भी ठंडा नहीं कर पा रहा है ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का झालमुड़ी खाना और झालमुड़ी बनाने वाले से सवाल - जवाब सोशल मीडिया पर धूम मचाने लगा । विक्रेता और देश के शीर्ष नेता के बीच ÷ प्याज ÷ और ÷ स्वाद ÷ पर नोंक - झोंक ने भी लोगों को खूब गुदगुदाया । भाजपा समर्थक झालमुड़ी के कोन (पेपर से बना एक आकर) को लेकर जश्न मनाते देखे जा रहे हैं । इसे हम बंगाली संस्कृति को राजनीतिक नैरेटिव में बदलने का प्रयास कह सकते हैं । झालमुड़ी के स्वाद की ÷ आक्रामकता ÷ को चुनावी नतीजों की ÷ उथल - पुथल ÷ से जोड़कर देखा जा रहा है ! अब झालमुड़ी एक साधारण ÷ स्नैक ÷ न होकर राजनीतिक भावना बनकर उभर रही है ! परिणामों के बाद भाजपा नेताओं द्वारा मिठाई भूलकर झालमुड़ी की ओर खींचे चले जाना किसी तीखे संदेश से कम नहीं है । हमने एक किंवदंती सुन रखी है जो पारस पत्थर से जुड़ी हुई है । कहा जाता है कि वह पत्थर लोहे को छूते ही सोना बना देता है ! मुझे नहीं मालूम सच्चाई क्या है ? इतना जरूर है कि भारतवर्ष की राजनीति में हमने सच्चे पारस पत्थर को नरेंद्र मोदी के रूप में पाया है । पश्चिम बंगाल में 15 वर्षों तक शासन करने वाली टी एम सी और उसकी प्रमुख दीदी के लिए भारतीय पारस पत्थर नरेंद्र मोदी का बंगाल प्रवेश उसके लिए ऐसी बाड़ बन गया जिसे लांघना दीदी के लिए हिमालय लांघने से कम नहीं है । बंगाल में एक प्रसिद्ध कहावत है , जो अनावश्यक अथवा सनसनीखेज खबर के लिए कही जाती है ÷ झालमुरीर थोंगा होए गेछे ÷ अर्थात आज का अखबार कल झालमुड़ी का पैकेट होगा ! अब मैं कहूं तो यह कहावत टी एम सी के लिए झालमुड़ी का कोन बनकर रह गई है । वास्तव में झालमुड़ी है क्या ? चना , मुरमुरा , कटा हुआ प्याज , कटी हुई हरी मिर्च , सरसों का तेल , अमचूर और थोड़ा सा खट्टा अचार का समन्वय । इन सबको एक बर्तन में डालकर चम्मच या लकड़ी से अच्छी तरह मिलाया जाता है । हमारे प्रधानमंत्री ने इसी झालमुड़ी को अपनी राजनीतिक भाषा में लपेटते हुए ऐसा मिश्रण बनाया कि उसके स्वाद और झाल से हर किसी की ममता छटपटाने लगी । टाइमपास झालमुड़ी को भाजपा के शीर्ष नेता ने क्षणिक आनंद देने वाला स्वाद नहीं वरन देर तक मुंह में सी ..सी .. करने वाला ऐसा व्यंजन बना दिया , जिसकी झाल सदा याद रहने वाली बन गई ! बंगाल के सबसे अधिक पसंद किए जाने वाले स्ट्रीट फूड झालमुड़ी को नरेंद्र मोदी ने अपनी अचेतन पसंद के रूप में शायद इसलिए चुना ताकि यह बताया जा सके कि उनकी पार्टी भाजपा , जिसे बंगाल विरोधी कहा जाता है , वास्तव में बंगाली संस्कृति से बहुत स्नेह रखती है । इसी अचेतन पसंद ने बंगालियों के दिलों में राज किया और फिर हो गया भाजपा का तिलक वंदन !

चना और मुरमुरे का साधारण सा मिश्रण आज पश्चिम बंगाल की धड़कन बन गई है ! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भावनात्मक मुद्रा ही वह ताकत बन गई जिसने बड़े और मजबूत किले को ढहा दिया ! भारतवर्ष के पश्चिम बंगाल में जब - जब विधानसभा की रणभेरी बजेगी तब - तब झालमुड़ी की चर्चा मूक गवाह बनकर सामने आती रहेगी । शायद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी नहीं सोचा होगा कि उनके द्वारा झालमुड़ी का स्वाद लेना इतनी बड़ी खबर बन जाएगी जो सिंहासन तक पहुंचने का मार्ग दिखा जाएगी । नरेंद्र मोदी का यह कहना -÷ भाई ! हमें भी अपनी झालमुड़ी खिला दो ..÷ ! झालमुड़ी बेचने वाले के दिल को छू गया ! सड़क किनारे खड़े होकर झालमुड़ी खाना यह सिद्ध कर गया कि ÷ निजी पल ÷ भी ÷ राजनीतिक ÷ हो सकता है । झालमुड़ी वास्तव में बंगाल की अटूट धड़कन है । चुनाव जीतने के बाद अब यही समझा जा रहा है कि भाजपा का यह दृढ़ तीखा वादा है कि झालमुड़ी के टिन की लयबद्ध खनक प्रदेश की साझा यादों और जोशीली बहसों का संगीत बनी रहेगी । झालमुड़ी बंगाल की एक मात्र सच्ची , जोशीली और स्थिर पहचान बनी हुई है । यह उन लोगों की मसालेदार आत्मा है , जो जानते हैं कि जीवन एक उत्तम मिश्रण की तरह थोड़ी सी गर्मी और बहुत सारे दिलों के साथ मेल - मिलाप को पसंद करता है । प्रधानमंत्री का झालमुड़ी खाना ही वह ÷ सीक्रेट फॉर्मूला ÷ बन गया जिसने ममता सहित उनकी पार्टी की बंगाल से बिदाई कर दी ! आज बंगाल की जनता और पूरा भाजपा का कुनबा यह सुनिश्चित नहीं कर पा रहा है कि यह जीत रणनीतिक है , संगठनात्मक है या फिर उस चटपटे स्वाद की है , जिसने पूरी तस्वीर ही बदल दी ! मुझे तो लगता है बंगाली जनता ने अब ÷ मैनिफेस्टो ÷ नहीं ÷ मेन्यू ÷ पर अपना सारा फोकस उड़ेल दिया है । इस बार झालमुड़ी ने बंगाल की राजनीति और संस्कृति को एक साथ मिलाकर यह सिद्ध कर दिया है कि यह मुंगफली की तरह मजबूत , मिर्च की तरह तीखी और सरसों के तेल की तरह असरदार है । सवाल यह नहीं कि भाजपा कैसे जीती ? सवाल यह है कि क्या अब हर चुनाव में स्थानीय व्यंजन ही बाजी जिताने का जरिया बनेंगे ?

डॉ. सूर्यकांत मिश्रा
राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)

'थलापति' से 'मुधलवन' तक- कैसे विजय ने तमिलनाडु की सत्ता का रुख मोड़ दिया

विजय का चुनाव प्रचार पारंपरिक राजनीति से बिल्कुल अलग था। जहाँ अन्य दल रैलियों और रोड-शो पर करोड़ों खर्च कर रहे थे, विजय ने एक 'साइलेंट वारियर' की तरह काम किया- सोशल मीडिया का जादू- उन्होंने न तो प्रेस कॉन्फ्रेंस की और न ही टीवी इंटरव्यू दिए। इसके बजाय, उन्होंने सीधे सोशल मीडिया के जरिए जनता से संवाद किया। विजय मामा और नन्हें ब्रांड एंबेसडर- विजय ने चतुराई से बच्चों और किशोरों को अपना 'नानबा' (दोस्त) बनाया। 'विजय मामा' के संबोधन ने बच्चों को इतना प्रभावित किया कि उन्होंने अपने माता-पिता को टीवीके को वोट देने के लिए प्रेरित किया।

(रेनू तिवारी)

विजय का चुनाव प्रचार पारंपरिक राजनीति से बिल्कुल अलग था। जहाँ अन्य दल रैलियों और रोड-शो पर करोड़ों खर्च कर रहे थे, विजय ने एक 'साइलेंट वारियर' की तरह काम किया।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के नतीजों ने भारतीय राजनीति में एक नया अध्याय लिख दिया है। जब अभिनेता विजय ने तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) की स्थापना की थी, तो कई विश्लेषकों ने उन्हें द्रविड़ राजनीति के दो दिग्गजों (डीएमके और एआईएडीएमके) के सामने कमतर आंका था। लेकिन आज, विजय न केवल एक 'स्टार' बल्कि तमिलनाडु के 'मुधलवन' (मुख्यमंत्री) के रूप में उभरकर सामने आए हैं।

विजय का चुनाव प्रचार पारंपरिक राजनीति से बिल्कुल अलग था। जहाँ अन्य दल रैलियों और रोड-शो पर करोड़ों खर्च कर रहे थे, विजय ने एक 'साइलेंट वारियर' की तरह काम किया-

सोशल मीडिया का जादू- उन्होंने न तो प्रेस कॉन्फ्रेंस की और न ही टीवी इंटरव्यू दिए। इसके बजाय, उन्होंने सीधे सोशल मीडिया के जरिए जनता से संवाद किया।

विजय मामा और नन्हें ब्रांड एंबेसडर- विजय ने चतुराई से बच्चों और किशोरों को अपना 'नानबा' (दोस्त) बनाया। 'विजय मामा' के संबोधन ने बच्चों को इतना प्रभावित किया कि उन्होंने अपने माता-पिता को टीवीके को वोट देने के लिए प्रेरित किया।

साधारण में भव्यता-कभी तंग गलियों में साइकिल चलाना तो कभी फिल्म समारोहों में छोटी कहानियों के जरिए सत्ता पर तीखे प्रहार करना–विजय के हर कदम ने जनता के साथ एक गहरा भावनात्मक जुड़ाव पैदा किया।

चुनाव प्रचार के दौरान अभिनेता ने असामान्य रूप से किशोरों और बच्चों पर ध्यान केंद्रित किया, ताकि वे उनके माता-पिता को टीवीके के पक्ष में मतदान करने के लिए प्रेरित कर सकें। जब मतदान का आंकड़ा 85 फीसदी के पार चला गया, तब विजय ने खुद को 'विजय मामा' कहते हुए खास तौर पर 'कुट्टी, नानबा, नानबी' (बच्चों और दोस्तों) को संबोधित किया और अभिभावकों को टीवीके के समर्थन के लिए मनाने के वास्ते उनका आभार जताया। यही नहीं, उन्होंने द्रविड़ विचारधारा और तमिल राष्ट्रवाद के तत्वों को कुशलतापूर्वक संयोजित करते हुए अपनी पार्टी की विचारधारा तैयार की।

विजय ने हमेशा से ही लीक से हटकर कदम उठाए। एक दिन वह अप्रत्याशित रूप से साइकिल से एक रिहायशी इलाके की तंग गलियों से गुजरे और देखते ही देखते उनके इर्द-गिर्द भारी भीड़ जुट गई, जिससे एक साधारण पल भव्य नजारे में तब्दील हो गया। एक अन्य मौके पर उन्होंने एक फिल्म समारोह के मंच पर खड़े होकर सुनने में सरल, लेकिन गहरे अर्थों वाली कहानियां सुनाना शुरू किया, जिनमें सत्ता में बैठे लोगों के लिए तीखे संदेश छिपे हुए थे। विजय के हर शब्द पर आयोजन स्थल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठता था, जिससे दर्शकों के साथ उनके स्पष्ट भावनात्मक जुड़ाव की झलक मिलती थी।

लगभग 25-30 साल पहले किसी ने इस बात की कल्पना भी नहीं की होगी कि बेहद सौम्य, सरल और शर्मीले स्वभाव वाले विजय एक दिन खुद का राजनीतिक दल बनाएंगे और अपने पहले ही चुनाव में मुख्यमंत्री पद तक सफर तय करेंगे। विजय अभिनीत 'पूवे उनक्कागा' का निर्देशन करने वाले विक्रमन ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, उस समय भी मुझे पूरा भरोसा था कि वह आगे चलकर फिल्म उद्योग पर राज करेंगे। मुझे पता था कि उनमें कुछ खास है, जो लोगों को उनका दीवाना बना देगा। 'घिल्ली' और 'मधुरेय' के संवाद लेखक तथा 'अजहगिया तमिल मगन' और 'बैरावा' के निर्देशक भरतन ने भी विक्रमन की बात से इत्तफाक जताया।

'पूवे उनक्कागा' विजय के करियर की पहली सुपरहिट फिल्म साबित हुई। बाद में उन्होंने भावनाओं, पारिवारिक विषयों, हास्य, उच्च-स्तरीय एक्शन और हिट गीतों के सदियों से आजमाए एवं परखे गए फॉर्मूले के सहारे खुद को एक मेगास्टार के रूप में स्थापित किया। विजय के परिवार ने उनकी तीसरी ही फिल्म 'रसिगन' (1994) के प्रमोशन के दौरान उन्हें 'इलैया थलापति' (युवा कमांडर) के रूप में पेश करने का फैसला किया, जो उनके आत्मविश्वास के साथ-साथ ब्रांडिंग के महत्व की उनकी गहरी समझ को भी दर्शाता है।

यह तमगा अगले एक दशक से अधिक समय में उनके चित्रण के लिए और भी प्रासंगिक हो गया, क्योंकि वह निर्विवाद रूप से 'थलापति' बनकर उभरे। अब 51 वर्षीय चंद्रशेखर जोसेफ विजय 'थलापति' (कमांडर) से आगे बढ़कर खुद को 'थलाइवन' (नेता) और 'मुधलवन' (मुख्यमंत्री) के रूप में स्थापित करने में कामयाब हो गए हैं। विजय ने शुरू से ही बहुत सूझ-बूझ दिखाई और अपने करियर की रूपरेखा भविष्य के राजनीतिक लक्ष्य के अनुरूप तैयार की। जब 'विजय मक्कल इयक्कम' (वीएमआई) के बैनर तले एकजुट विजय के प्रशंसकों ने 2021 में उनकी तस्वीरों का इस्तेमाल कर स्थानीय निकाय चुनावों में जीत दर्ज की, तो लोग चौंक गए और सियासी दुनिया में अभिनेता के पदार्पण की नींव तैयार हुई।

वीएमआई के कई पदाधिकारी आज विजय की टीवीके में अहम पदों पर हैं। कई साल पहले, जब विजय ने सार्वजनिक समारोहों में कहानियां सुनाना शुरू किया, जो कि एक दिग्गज राजनीतिक हस्ती, दिवंगत मुख्यमंत्री जे जयललिता की जगजाहिर खूबी थी, तो कई लोगों ने सोचा कि वह अपनी क्षमता से कहीं अधिक लक्ष्य और महत्वाकांक्षा पाल रहे हैं। धीरे-धीरे विजय ने दिवंगत एम करुणानिधि सहित कई अन्य बड़ी राजनीतिक हस्तियों की तरह अपने प्रशंसकों और समर्थकों को संबोधित करने के लिए एक खास वाक्यांश का इस्तेमाल शुरू किया, ताकि उनके साथ गहरा जुड़ाव कायम कर सकें।

'एन नेनजिल कुडियिरुक्कुम...नानबा, नानबी' (दोस्तों, आप मेरे दिल में रहते हैं) अपने प्रशंसकों और समर्थकों को संबोधित करने के लिए विजय का पसंदीदा वाक्यांश है। जयललिता सहित कुछ अन्य कद्दावर नेताओं की तरह ही विजय ने भी मीडिया को शायद ही कभी साक्षात्कार दिए और वह हमेशा से ही सार्वजनिक मंचों पर कम बोलते रहे हैं। जब विजय की 2013 में प्रदर्शित फिल्म 'थलाइवा' की टैगलाइन 'बॉर्न टू लीड' (पैदाइशी नेता) जारी की गई थी, तो उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षा का पहला, स्पष्ट संकेत मिला था, लेकिन पुख्ता निष्कर्ष निकालने के लिए पर्याप्त कारण नहीं थे।

हालांकि, 'थलाइवा' की रिलीज से दो साल पहले वह दिल्ली में अन्ना हजारे के अनशन स्थल पर पहुंचे थे और उनके प्रति समर्थन जताया था, जिससे उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को लेकर अटकलें शुरू हो गई थीं। बहरहाल, 'थलाइवा' उम्मीदों के अनुसार अपनी टैगलाइन के कारण विवादों में घिर गई और तमिलनाडु में फिल्म की रिलीज दो हफ्ते के लिए टाल दी गई। यह फिल्म सिनेमाघरों का मुंह तभी देख पाई, जब इसकी टैगलाइन हटाई गई। उस समय तमिलनाडु में ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) की सरकार थी। विजय 2014 में प्रदर्शित 'कत्थी' में जब किसानों के सामने पेश आने वाली चुनौतियों पर बात करते दिखे, तो उनके प्रशंसकों के लिए यह एक मसीहा के आगमन जैसा था। जैसे-जैसे विजय की लोकप्रियता बढ़ती गई, उनकी फिल्मों में एक गहरा राजनीतिक संदेश झलकने लगा। एटली के निर्देशन में बनी विजय की 'मर्सल' (2017) ने राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया, क्योंकि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की आलोचना करने वाली फिल्म के एक संवाद पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने कड़ी आपत्ति जताई। पार्टी नेता एच राजा ने विजय के ईसाई धर्म पर सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करते हुए उन पर घृणा अभियान को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

विधायक उसेण्डी ने ग्राम चिलपुटी में 9 करोड़ रूपए से अधिक के विकास कार्यों की दी सौगात

कोंडागांव। बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष और कोण्डागांव विधायक लता उसेण्डी ने शनिवार को ग्राम चिलपुटी में क्षेत्रवासियों को 09 करोड़ रूपए से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। साथ ही चिलपुटी में सम्मान समारोह में चिलपुटी के 12 मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। भूमिपुजन कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-4 अंतर्गत ग्राम चिपावण्ड से ग्राम फुकागिरोला रोड आरडी 3.40 कि.मी. से मरवाबेड़ा मार्ग लंबाई 5.20 किलोमीटर लागत 524 लाख रूपए और पलारी माकड़ी रोड आर.डी. 5 कि.मी. से देवडोबरा तक लंबाई 2.10 किलोमीटर लागत 210 लाख रूपए का सड़क निर्माण कार्य सहित कुल 09 करोड़ 83 लाख रूपए की लागत के 32 विकास कार्य शामिल है। इसके अलावा विधायक ने ग्राम पंचायत चिलपुटी में चौतु घर से मानसिंग घर तक 500 मीटर ग्राम गौरव पथ लागत 42.31 लाख रूपए का लोकार्पण भी किया। विधायक ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा बेहतर होगी तथा सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही स्वास्थ्य एवं डिजिटल सेवाओं की पहुंच भी आम नागरिकों तक सुलभ हो सकेगी। शासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास एवं मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। विधायक द्वारा किए गए भूमिपूजन कार्यों में मसोरा में डी.एम.एम क्लस्टर भवन निर्माण लागत 20 लाख रूपए, गिरोला में नदी किनारे पटेल देव गुड़ी के पास रंगमंच निर्माण कार्य लागत 2.50 लाख रूपए, चरण पांडेय घर से जगन्नाथ अंधारू घर तक 300 मीटर सीसी सड़क लागत 7.80 लाख रूपए, और राजस्व अटल डिजिटल सुविधा केंद्र लागत 05 लाख रूपए और नाली निर्माण कार्य हीरा घर से नदी तक जड़ीपारा में लागत 2.60 लाख रूपए, ग्राम सातगांव में मानस गान मैदान में शेड निर्माण कार्य 15 लाख रूपए, मावली देव गुड़ी निर्माण कार्य लागत 04 लाख रूपए, पेरपारा में मावली देव गुड़ी निर्माण कार्य लागत 04 लाख रूपए, सीसी रोड निर्माण 09 लाख रूपए, ग्राम चिलपुटी में देवगुड़ी में शेड निर्माण कार्य लागत 10 लाख रूपए, डबडीबेड़ा के सत्री घर से मानकू घर तक 200 मीटर सीसी सड़क लागत 06 लाख रूपए कार्य शामिल है। इसी प्रकार ग्राम पलारी में शिव मंदिर के पास रंगमंच निर्माण कार्य लागत 05 लाख रूपए, तीजू मरकाम घर के पास देवगुड़ी निर्माण कार्य लागत 03 लाख रूपए, बाजार स्थल के पास व्यावसायिक परिसर निर्माण कार्य 8.92 लाख रूपए, अन्य डोंगरी देवगुड़ी शेड निर्माण कार्य लागत 03 लाख रूपए, मुख्य मार्ग से नानीपारा पलारी तक 300 मीटर सीसी सड़क लागत 9.60 लाख रूपए, ग्राम बफना में माता गुड़ी के पास सांस्कृतिक भवन निर्माण कार्य लागत 05 लाख रूपए, नयेला घर से पाहदू घर तक 200 मीटर नाली निर्माण कार्य लागत 04 लाख रूपए, ग्राम मुलमुला में मुक्तिधाम एवं प्रतीक्षालय शेड निर्माण कार्य लागत 4.79 लाख रूपए, आवास प्लांट में सांस्कृतिक भवन निर्माण कार्य लागत 05 लाख रूपए, अटल डिजिटल सुविधा केंद्र लागत 05 लाख रूपए, ग्राम धनपुर में माता मंदिर डोंगरीपारा के पास रंगमंच निर्माण कार्य लागत 05 लाख रूपए, ग्राम लेमडी में सावत राम मरकाम घर से पुलिया तक 200 मीटर सीसी रोड निर्माण कार्य लागत 06 लाख रूपए, ग्राम खड़क में प्लाटपारा जयनाथ घर के पास 2 मीटर पुलिया निर्माण लागत 06 लाख रूपए, ग्राम सिंगनपुर में उप स्वास्थ्य केंद्र सिंगनपुर भवन निर्माण कार्य लागत 28.51 रूपए, ग्राम बड़ेसिलाटी में पटेलपारा में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य लागत 05 लाख रूपए, ग्राम भीरागांव सिघावंड मरकाम घर से दसराम खेत तक 3 मीटर पुलिया निर्माण लागत 08 लाख रूपए, ग्राम कुम्हारी में बालसिंग घर से मातामंदिर तक 200 मीटर सीसी सड़क लागत 06 लाख रूपए और पुजारी पारा में सांस्कृतिक भवन निर्माण लागत 04 लाख रूपए का निर्माण सहित कुल 207.72 लाख रूपए का निर्माण कार्य शामिल

बाल मित्र पुस्तकालय केन्द्र कड़मपाल में समर रीडिंग चैलेंज कार्यक्रम का आयोजन

किरन्दुल। मध्य बाल सभा का आयोजन किया जाना है। इसी तारतम्य में संकुल केन्द्र कड़मपाल के बाल मित्र पुस्तकालय केन्द्र में समर रीडिंग चैलेंज कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया।इस कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधि, शिक्षक शिक्षिकाएं और बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।बच्चों के द्वारा चित्रकला, रोल प्ले, पेंटिंग, प्रदर्शनी आदि प्रतियोगिताएं रखीं गई। कार्यक्रम का उद्देश्य आगामी सत्र में बच्चों की सहभागिता बढ़ाने, बच्चों की शैक्षणिक सुरक्षा एवं बाल संरक्षण से संबंधित मुद्दों पर चर्चा और बच्चों में बचपन से ही पठन संस्कृति को बढ़ावा देना, उन्हें पुस्तकों से जोड़ना, सीखने के लिए आनंदमय वातावरण का निर्माण करना है। कार्यक्रम के अंत में बाल मित्रमीना एवं संकुल समन्वयक एम माधव राव द्वारा बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए आगामी सत्र के लिए उन्हें किताबों से जोड़ना, शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने में अपनी पूरी सहभागिता प्रदान करने के लिए शिक्षकों एवं जनप्रतिनिधियों से अपील की।

सुशासन तिहार शिविर में दिखी संवेदनशील प्रशासन की झलक

बीजापुर। नगरपालिका परिसर में आयोजित सुशासन तिहार अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी एवं हितग्राहियों को जागरूक करने के उद्देश्य से आकर्षक स्टॉल लगाया गया। शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों ने विभागीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर लाभ उठाया। महिला एवं बाल विकास विभाग के स्टॉल में गर्भवती माताओं की पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ गोद भराई की गई तथा नवजात शिशुओं का अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न कराया गया। इस दौरान माताओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और देखभाल से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यक्रम का वातावरण पारिवारिक एवं उत्साहपूर्ण बना रहा। शिविर में विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं जैसे पोषण अभियान, सुपोषण कार्यक्रम, मातृत्व सहायता योजनाएं तथा किशोरी बालिकाओं से संबंधित योजनाओं की विस्तृत जानकारी नागरिकों को प्रदान की गई। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण बाल विवाह मुक्त बीजापुर अभियान रहा। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों ने बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने का सामूहिक संकल्प लिया। सभी ने यह प्रण किया कि जिले में बाल विवाह रोकने के लिए जागरूकता फैलाने के साथ-साथ समाज को शिक्षित एवं संवेदनशील बनाने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। अधिकारियों ने कहा कि बाल विवाह न केवल बच्चों के भविष्य को प्रभावित करता है, बल्कि उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक विकास पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। इसलिए समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता से ही बीजापुर को बाल विवाह मुक्त बनाया जा सकता है। सुशासन तिहार शिविर के माध्यम से प्रशासन द्वारा जनसमस्याओं के निराकरण के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता और जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास सराहनीय रहा।

प्रशासन की कार्रवाई या दिखावा? जब्त गाड़ियां छूटते ही फिर गरजीं मशीनें, लोकाधिकार समिति ने दी आंदोलन की चेतावनी

भानुप्रतापपुर। दुर्गूकोंदल विकासखंड में अवैध रेत उत्खनन का काला खेल थमने का नाम नहीं ले रहा है।

जिला प्रशासन और खनिज विभाग की कार्रवाई अब महज एक 'दिखावा' साबित हो रही है। दो दिन पहले जिन 7 हाइवा और 2 चेन माउंटेन मशीनों को जब्त किया गया था, उनके छूटते ही रेत माफिया ने नए जोश के साथ नदियों का सीना चीरना शुरू कर दिया है।

स्थानीय ग्रामीणों और जागरूक संगठनों का आरोप है कि प्रशासन एक तरफ कार्रवाई का ढोंग करता है, तो दूसरी तरफ पर्दे के पीछे से माफियाओं को संरक्षण दिया जा रहा है। महज कुछ घंटों की जब्ती के बाद मशीनों का फिर से मैदान में उतर जाना विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है। लोगों का कहना है कि जब माफियाओं के मन में कानून का खौफ ही नहीं है, तो ऐसी कार्रवाई का क्या अर्थ?

लोकाधिकार समिति की दोटूक: अब आर-पार की जंग

इस पूरे मामले को लेकर लोकाधिकार समिति ने कड़ा रुख अपनाया है। समिति के पदाधिकारियों का कहना है कि अवैध उत्खनन को रोकने के लिए जल्द ही जिला प्रशासन से मुलाकात की जाएगी। विरोध करने वाले ग्रामीणों को झूठे केस में फंसाकर डराने की कोशिश की जा रही है, जिसके खिलाफ पुलिस अधीक्षक कांकेर से शिकायत की जाएगी। यदि जल्द ही ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो समिति एक बड़ा जन-प्रदर्शन करने को बाध्य होगी।

जब्त मशीनों को 'राजसात' करने की उठी मांग

क्षेत्रवासियों का मानना है कि केवल कुछ समय के लिए वाहनों को रोकना पर्याप्त नहीं है। अब मांग उठ रही है कि अवैध उत्खनन में संलिप्त इन मशीनों और हाइवा को तत्काल राजसात (सरकारी संपत्ति घोषित) किया जाए। ग्रामीणों के अनुसार, जब तक माफिया की आर्थिक कमर नहीं तोड़ी जाएगी और उनकी मशीनों को स्थाई रूप से जब्त नहीं किया जाएगा, तब तक प्राकृतिक संसाधनों की यह लूट नहीं रुकेगी। एक तरफ प्रशासन दिखावे की कार्रवाई करता है, दूसरी तरफ माफिया नए तरीकों से खनन शुरू कर देते हैं। अगर यह तमाशा बंद नहीं हुआ, तो हम सड़क पर उतरकर उग्र आंदोलन करेंगे।

शासन की योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, अधिकारियों को दिए समयब, कार्य निष्पादन के निर्देश

बीजापुर। कलेक्टर विश्वदीप ने पदभार ग्रहण करने के बाद इन्द्रावती सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की परिचयात्मक बैठक लेकर जिले के प्रशासनिक कार्यों, विभागीय योजनाओं तथा वर्तमान चुनौतियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर समय-सीमा में पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया। कलेक्टर विश्वदीप ने कहा कि बीजापुर जैसे चुनौतीपूर्ण जिले में कार्य कर रहे सभी अधिकारी एवं कर्मचारी बेहतर कार्य कर रहे हैं, जिसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी विभाग पूरी तन्मयता और उत्साह के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। सुशासन तिहार शिविरों में अधिक से अधिक हितग्राहियों को लाभ दिलाने के निर्देश- बैठक में वर्तमान में संचालित सुशासन तिहार अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविरों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि अधिक से अधिक नागरिक लाभान्वित हो सकें। उन्होंने मौके पर ही अधिकाधिक प्रकरणों के निराकरण के निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी पात्र हितग्राही योजनाओं से वंचित नहीं रहना चाहिए। बस्तर मुन्ने और नियद नेल्लानार 2.0 की हुई समीक्षा- कलेक्टर विश्वदीप ने बस्तर मुन्ने एवं नियद नेल्लानार 2.0 अभियान की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कहा कि शत-प्रतिशत सैचुरेशन प्रशासन की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने शिविरों के दौरान पात्र हितग्राहियों की पहचान कर उन्हें योजनाओं का लाभ तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जनगणना 2026 और मूलभूत सुविधाओं पर विशेष फोकस- बैठक में जनगणना 2026 की तैयारियों पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को पूरी गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ जनगणना कार्य संपादित करने के निर्देश दिए। साथ ही स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं के विस्तार को प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल बताया। बैठक में अपर कलेक्टर भूपेन्द्र अग्रवाल, संयुक्त कलेक्टर जागेश्वर कौशल सहित जिला स्तरीय अधिकारी, सभी अनुभागों के एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, जनपद पंचायतों के सीईओ एवं नगरीय निकायों के सीएमओ उपस्थित थे।

केपीएल सीजन 2 के ऑक्शन में दिखा जबरदस्त रोमांच, फैज रजा बने सबसे महंगे प्लेयर

प्रतियोगिता के मुख्य स्पॉन्सर रजा ग्रुप ऑफ कंपनीज़ हैं, जिसके ऑनर सोहेल रजा हैं। वहीं प्रतियोगिता के सफल आयोजन की जिम्मेदारी साकिब मेमन एवं आवेश मेमन द्वारा निभाई जा रही है।

केशकाल। विधानसभा स्तरीय बहुप्रतीक्षित क्रिकेट प्रतियोगिता केशकाल प्रीमियर लीग सीजन-2 का भव्य आयोजन आगामी 21 मई से 2 जून तक किया जाएगा। यह प्रतियोगिता रात्रिकालीन स्वरूप में आयोजित होगी, जिसके सभी मुकाबलों का सीधा प्रसारण यूट्यूब पर लाइव किया जाएगा। प्रतियोगिता को लेकर शनिवार को बस स्टैंड में आयोजित ऑक्शन कार्यक्रम में खिलाड़ियों पर जमकर बोलियां लगीं और पूरे आयोजन में खेल प्रेमियों के बीच खासा उत्साह देखने को मिला। इस प्रतिष्ठित क्रिकेट

फैज रजा रहे सबसे महंगे प्लेयर

ऑक्शन प्रक्रिया के दौरान प्रत्येक टीम मालिक को खिलाड़ियों की खरीद के लिए 2 लाख पॉइंट्स प्रदान किए गए थे। सभी टीमों ने अपनी रणनीति के अनुसार खिलाड़ियों पर बोली लगाई। ऑक्शन में सबसे महंगे खिलाड़ी फैज रजा रहे, जिन्हें एसआरके टीम ने 78 हजार पॉइंट्स में अपनी टीम में शामिल किया। फैज रजा को लेकर हुई जोरदार बोली ने कार्यक्रम का रोमांच और बढ़ा दिया।

टूर्नामेंट के प्रति युवाओं में खासा उत्साह

आयोजकों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार प्रतियोगिता में कुल 20 टीमें हिस्सा लेंगी और प्रत्येक टीम में 16 खिलाड़ी शामिल रहेंगे। टूर्नामेंट में कुल 47 मुकाबले खेले जाएंगे। लीग चरण में प्रत्येक टीम को 4 मैच खेलने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता को अलग-अलग पूल में विभाजित किया गया है, जहां एक पूल में 5 टीमें रहेंगी। आयोजकों ने बताया कि पूरे टूर्नामेंट को भव्य एवं व्यवस्थित तरीके से आयोजित करने की तैयारी की जा रही है। प्रतियोगिता के विजेता एवं उपविजेता टीमों को आकर्षक इनाम राशि एवं ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। केशकाल क्षेत्र में क्रिकेट प्रतिभाओं को मंच देने और युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता को लेकर खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में अभी से भारी उत्साह देखा जा रहा है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में रिकॉर्ड निराकरण हजारों मामलों का मौके पर हुआ समाधान

बीजापुर। छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा-निर्देश तथा संतोष कुमार आदित्य प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दंतेवाड़ा के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य सहित जिला दंतेवाड़ा अंतर्गत समस्त न्यायालयों में किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत बीजापुर में रोजमीन राजेश खाखा द्वारा खण्डपीठ सदस्य आशिक सिद्दीकी एवं ज्योति कुमार की उपस्थिति में आपराधिक एवं प्री-लिटिगेशन से संबंधित प्रकरणों का राजीनामा, प्ली बारगेनिंग एवं स्वीकारोक्ति के आधार पर निराकरण किया गया। तालुका विधिक सेवा समिति बीजापुर के समन्वय से आयोजित लोक अदालत में पक्षकारों के मध्य आपसी समझौते के जरिए लंबित 06 आपराधिक प्रकरणों का निराकरण किया गया। वहीं यातायात नियम उल्लंघन से जुड़े 956 ट्रैफिक प्रकरण तथा आबकारी विभाग के 16 प्रकरणों सहित कुल 972 मामलों का निपटारा कर शासन के पक्ष में 1 लाख 68 हजार 930 रुपये जमा कराए गए। इसके अलावा जलकर, विद्युत बिल, दूरसंचार विभाग के बकाया बिल एवं बैंक ऋण से जुड़े प्री-लिटिगेशन के 264 मामलों में 57 हजार 330 रुपये की समझौता राशि के साथ निराकरण किया गया। वहीं जिले के राजस्व न्यायालयों में खातेदारों के बीच बंटवारा, नामांतरण एवं अन्य राजस्व संबंधी कुल 4950 प्रकरणों का समाधान किया गया। लोक अदालत में प्रकरणों का निराकरण आपसी समझौते के आधार पर किया जाता है, जिससे दोनों पक्षों को राहत मिलती है और प्रकरण का अंतिम समाधान हो जाता है। इससे न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या कम करने में भी सहायता मिलती है। इस दौरान व्यवहार न्यायालय बीजापुर के न्यायालयीन कर्मचारी पीताम्बर सिंह मण्डावी, चेतन ध्रुव, गौरैया गोटा, सुनील कुमार मौर्य, नारायण पिटला, डोमेन्द्र कुमार साहू एवं कैलाश चन्द्रवंशी उपस्थित रहे।

विधायक रोहित साहू ने जताया खेद, पटवारी संघ ने समाप्त किया बहिष्कार

छुरा। विगत दिनों विकासखंड छुरा के ग्राम पाटसिवनी में आयोजित सुशासन तिहार शिविर के दौरान राजस्व संबंधी समस्याओं को लेकर हुई चर्चा में माननीय विधायक द्वारा की गई टिप्पणी से नाराज पटवारी संघ ने शिविर का बहिष्कार कर दिया था।बाद में मामले को लेकर राजिम विधायक श्री रोहित साहू ने मीडिया के माध्यम से खेद व्यक्त किया।इसके पश्चात राजस्व पटवारी संघ के जिला प्रतिनिधिमंडल ने विधायक महोदय से सौजन्य मुलाकात कर पूरे घटनाक्रम पर चर्चा की।

पटवारियों ने बताई व्यावहारिक दिक्कतें -मुलाकात के दौरान संघ के प्रतिनिधियों ने राजस्व कार्यों के दौरान पटवारियों को होने वाली व्यावहारिक समस्याओं,अतिरिक्त हल्कों का कार्यभार तथा मैदानी स्तर पर पटवारियों की भूमिका से विधायक को अवगत कराया। विधायक श्री साहू ने पटवारियों की बातों को गंभीरता से सुनते हुए आपसी समन्वय एवं सम्मान के साथ जनसमस्याओं के समाधान की बात कही।

बेहतर संवाद पर बनी सहमति-प्रतिनिधिमंडल ने भी भविष्य में बेहतर संवाद एवं सहयोग के साथ कार्य करने की सहमति जताई। इसके साथ ही पटवारी संघ ने बहिष्कार समाप्त करने की घोषणा की, ताकि शासन की योजनाओं एवं राजस्व संबंधी कार्यों का लाभ आम जनता तक सुचारु रूप से पहुंच सके।

कोंटा पहुंचे बस्तर कमिश्नर डोमन सिंह, मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान स्वास्थ्य शिविर का किया निरीक्षण

कोंटा। बस्तर कमिश्नर डोमन सिंह एकदिवसीय क्षेत्रभ्रमण पर कोंटा पहुंचे। इस दौरान कलेक्टर अमित कुमार एवं डिप्टी कमिश्नर बी.एस. सिदार भी उनके साथ मौजूद रहे। कमिश्नर ने मनीकोंटा एवं एर्राबोर पंचायतों में संचालित मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बस्तर अभियान के अंतर्गत आयोजित स्वास्थ्य शिविरों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर सिंह ने ग्रामीणों से संवाद कर गांव से विस्थापित परिवारों की स्थिति की जानकारी ली। सरपंच, सचिव, ग्राम पटेल एवं ग्रामीणों से चर्चा करते हुए उन्होंने विस्थापित परिवारों को पुनः गांव वापस लाने के संबंध में विचार-विमर्श किया। ग्रामीणों ने बताया कि जो परिवार पहले गांव छोड़कर गए थे, वे उनके ही परिजन हैं और उनके लौटने से गांव में किसी प्रकार की समस्या नहीं होगी। सरपंच ने भी भरोसा दिलाया कि लौटने वाले परिवारों को बसाने में गांव की ओर से सहयोग किया जाएगा। ग्रामीणों की मांग पर कमिश्नर ने मनीकोंटा में दो अतिरिक्त कक्ष स्वीकृत करने के निर्देश दिए। गांव में 13 ग्रामीणों को किसान किताब का वितरण किया गया। साथ ही कमिश्नर एवं कलेक्टर ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए बताया कि 18 मई को गांव में सुशासन तिहार के अंतर्गत शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें आधार कार्ड, वोटर आईडी, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड सहित सभी आवश्यक शासकीय दस्तावेज बनाए जाएंगे और समस्याओं का समाधान किया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों से शिविर का अधिकतम लाभ उठाने तथा मोतियाबिंद मरीजों को उपचार हेतु जिला अस्पताल भेजने की अपील की। इसके पश्चात कमिश्नर डोमन सिंह कोंटा जनपद में सलवा जुडूम के दौरान आंध्रप्रदेश-तेलंगाना प्रवासित परिवारों के सर्वे को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक में शामिल हुए। बैठक में कोर्रा, भेज्जी, सुरपनगुड़ा, इंजरम, कोलाईगुड़ा, मनीकोंटा सहित प्रभावित गांवों के सरपंच, सचिव, पटवारी, बीट गार्ड एवं सर्वे टीम के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में प्रवासित परिवारों के आधार कार्ड, राशन कार्ड, राजस्व भूमि, मकान एवं अन्य दस्तावेजों की स्थिति पर विस्तार से चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

कांकेर-नारायणपुर आईईडी ब्लास्ट में शहीद जवानों के परिजनों को मिला वित्तीय सहायता

प्रामेरिका लाइफ द्वारा 1.06 करोड़ से अधिक की वित्तीय सहायता दी गई

कांकेर। देश की आंतरिक सुरक्षा में तैनात वीर जवानों के सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए प्रामेरिका लाइफ इंश्योरेंस ने मानवीय संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचय दिया है। 2 मई 2026 को कांकेर-नारायणपुर सीमा क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा बिछाई गई आईईडी सुरंग को निष्क्रिय करने के दौरान हुए भीषण विस्फोट में इंस्पेक्टर सुखराम वड्डी, कांस्टेबल कृष्ण कोमरा, बस्तर फाइटर संजय गड़पाले एवं कांस्टेबल परमानंद कोमरा शहीद हो गए थे। इन वीर सपूतों के अदम्य साहस और राष्ट्रसेवा को देश सदैव स्मरण रखेगा। इस दुःखद घड़ी में शहीद परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान करते हुए प्रामेरिका लाइफइंश्योरेंस के 'परम' डिपार्टमेंट द्वारा त्वरित दावा निपटान करते हुए कुल 1,06,59,728 की वित्तीय सहायता स्वीकृत की गई है। प्रामेरिका लाइफके परम हेड, छत्तीसगढ़ जसमीत सिंह छाबड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि शहीद इंस्पेक्टर सुखराम वड्डी के परिजनों को 29,54,594, कांस्टेबल कृष्ण कोमरा के परिवार को 23,76,545, बस्तर फाइटर संजय गड़पाले के परिजनों को 23,27,873 तथा कांस्टेबल परमानंद कोमरा के परिवार को 30,00,716 की सहायता राशि प्रदान की गई है। उन्होंने बताया कि इस राशि का एक निश्चित हिस्सा शहीद परिवारों को तत्काल उपलब्ध करा दिया गया है, जबकि शेष राशि आगामी 222 महीनों तक प्रतिमाह नियमित रूप से प्रदान की जाएगी। इसके पश्चात अंतिम चरण में एकमुश्त शेष राशि का भुगतान भी किया जाएगा। इस विशेष व्यवस्था का उद्देश्य शहीद परिवारों को दीर्घकालिक आर्थिक सुरक्षा एवं स्थायित्व प्रदान करना है, ताकि कठिन परिस्थितियों में भी उन्हें आर्थिक असुरक्षा का सामना न करना पड़े। जसमीत सिंह छाबड़ा ने स्पष्ट किया कि 'परम' कोई विशेष बीमा योजना नहीं, बल्कि प्रामेरिका लाइफ का एक समर्पित विभाग है, जो विशेष रूप से पैरामिलिट्री फोर्स एवं सुरक्षा बलों के जवानों के लिए कार्य करता है। यह विभाग न केवल नक्सल एवं उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में तैनात जवानों को सुरक्षा प्रदान करता है, बल्कि सामान्य ड्यूटी क्षेत्रों में सेवाएं दे रहे जवानों को भी समान रूप से वित्तीय संरक्षण उपलब्ध कराता है। विशेष रूप से सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, असम राइफल्स, एनएसजी एवं एसटीएफ जैसे सुरक्षा बलों के जवानों के लिए यह विभाग एक मजबूत सुरक्षा कवच के रूप में कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2015 से प्रामेरिका लाइफ छत्तीसगढ़ में लगातार यह सेवा प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा, जो जवान देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की बाजी लगाकर दुर्गम एवं खतरनाक क्षेत्रों में तैनात रहते हैं, उनके परिवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारा प्रथम दायित्व है। 'जो देश की रक्षा करते हैं, उनके परिवार की रक्षा हम करेंगे' – इसी संकल्प और संवेदनशीलता के साथ परम कार्य कर रहा है। प्रामेरिका लाइफ इंश्योरेंस ने पुनः यह भरोसा दिलाया कि वह शहीद परिवारों के साथ हर परिस्थिति में कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। शहीद इंस्पेक्टर सुखराम वड्डी, कांस्टेबल कृष्ण कोमरा, संजय गड़पाले एवं परमानंद कोमरा का बलिदान राष्ट्र सदैव स्मरण रखेगा।

संक्षिप्त समाचार

बिजली बिल की चिंता से मिली राहत, सुशासन तिहार शिविर ने लौटाई सुखवारा बाई के चेहरे की मुस्कान

बिलासपुर। बिल्हा में आयोजित जिला स्तरीय सुशासन तिहार शिविर में वार्ड क्रमांक 05 की निवासी श्रीमती सुखवारा बाई को बिजली बिल में बड़ी राहत मिली। लंबे समय से 78 हजार रुपए के भारी-भरकम बिजली बिल की बकाया राशि उनके लिए चिंता और परेशानी का कारण बनी हुई थी। मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना के तहत शिविर में उनके प्रकरण का त्वरित निराकरण करते हुए 22 हजार 672 रुपए की छूट प्रदान की गई। शिविर में बिल्हा विधायक श्री धरमलाल कौशिक बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। बिजली बिल में राहत की जानकारी मिलते ही श्रीमती सुखवारा बाई के चेहरे पर खुशी लौट आई। उन्होंने भावुक होकर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं बिजली विभाग को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि उनकी समस्या का इतनी जल्दी समाधान हो जाएगा। उन्होंने कहा कि शासन की इस योजना ने उनके परिवार का बड़ा बोझ हल्का कर दिया है। सुशासन तिहार शिविरों के माध्यम से जरूरतमंदों की समस्याओं का मौके पर निराकरण कर शासन की जनहितकारी योजनाओं का लाभ सीधे लोगों तक पहुंचाया जा रहा है।

लोक अदालत में लोगों को स्वास्थ्य सेवा दी डॉ. नागेंद्र ने

कोरबा। मई को जिला न्यायालय परिसर बिलासपुर छत्तीसगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में विशेष आयुर्वेद चिकित्सा परामर्श उपचार शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें छत्तीसगढ़ के चिकित्सक नाड़ीवैद्य डॉ. नागेंद्र नारायण शर्मा ने अपनी चिकित्सकीय सेवाएं दी। पहली बार राष्ट्रीय लोक अदालत में चिकित्सा सोपान को शामिल किया गया। इसके अंतर्गत विशेष आयुर्वेद चिकित्सा परामर्श उपचार शिविर लगाया गया। कोरबा के डॉ. नागेंद्र नारायण शर्मा ने अपनी चिकित्सकीय सेवाएं प्रदान की जिसमें उन्होंने नाड़ी परीक्षण के द्वारा लोगों का रोगोपचार किया। लोगों को उनकी प्रकृति के बारे मे विस्तार से जानकारी दी गई। प्रकृति के अनुसार आहार-विहार से अवगत कराया गया ताकि उनका स्वास्थ्य बेहतर रहे। शिविर में डॉ.नागेंद्र नारायण शर्मा के अलावा अश्विनी बुनकर, अरुण मानिकपुरी एवं कुश गुप्ता ने अपना योगदान दिया। समापन पर आयोजकों की ओर से डॉ. शर्मा और सहयोगियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।इससे पहले वे कई स्थानों पर ऐसे शिविर कर चुके हैं। लायंस क्लब से जुड़कर उन्होंने हजारों लोगों को स्वस्थ जीवन शैली को अपनाने के लिए प्रेरित किया है।

अपने ही कर्मी से रिश्वत, सीबीआई के फंदे में फंसा एसईसीएल का एक कर्मी

कोरबा। भ्रष्ट गतिविधि के चक्कर में साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड कुसमुंडा क्षेत्र का एक कर्मचारी सेंट्रल ब्यूरो का इन्वेस्टिगेशन के फंदे में फस गया। एक कर्मचारी से घूस मांगने की वजह से उसे पर कार्रवाई हुई है । ब्यूरो ने उसे पकड़ा और अपने कब्जे में ले लिया। कहा गया कि भ्रष्टाचार उन्मूलन अधिनियम के अंतर्गत उसके विरुद्ध कार्रवाई होगी।सूत्रों के अनुसार कोल सेक्टर में काम करने वाले एक कर्मचारी ने कोल माईनिंग प्रोविडेंट फंड में अपनी जमा राशि प्राप्त करने के लिए प्रक्रिया की । काफी समय गुजारने पर भी उसे यह धनराशि प्राप्त नहीं हुई। बताया गया कि सीएमपीएफ डिवीजन का कर्मचारी मनोहर कौशिक संबंधित कर्मचारियों को अनावश्यक चक्कर लगवा रहा था। पीड़ित कर्मी ने इस बारे में कौशिक से समस्या पूछी कि आखिर उसके फाइल आगे बढ़ने में दिक्कत क्या है। तब उसने रिश्वत की पेशकश की। यह राशि क्षमता से बाहर होने और सिद्धांत के खिलाफहोने से कर्मचारी ने इसकी शिकायत सीबीआई को की। इसके कुछ प्रमाण दिए ब्यूरो ने रिश्वत मांगने वाले को दबोचने की योजना बनाई। इसके लिए तिथि तय की गई। खबर के अनुसार तय कार्यक्रम के तहत जैसे ही एसईसीएल के कर्मी ने रिश्वत की राशि कौशिक को दी तो इशारा पाने पर सीबीआई ने उसे दबोच लिया। उसके हाथ धुलवाए गए और फिर जब्ती की कार्यवाही पूरी की गई। रिश्वत मांगने वाले को टीम ने अपने कब्जे में लिया। इस घटना ने एक बार फिर दिखा दिया है

श्रीमद्भागवत कथा का चौथा दिवस

दृढ़ निश्चय और सच्ची भक्ति से ईश्वर की प्राप्ति निश्चित-रामकृष्ण

बिलासपुर। रामकुमार कश्यप (सेवानिवृत्ति शिक्षक) परिवार ग्राम पोड़ी में हो रहे श्रीमद्भागवत कथा का चौथा दिवस ध्रुव की दिव्य कथा को व्यास पीठ से पंडित भागवत भूषण रामकृष्ण तिवारी कथा का वृतांत बताते हुए कहा भक्त ध्रुव की कथा सनातन धर्म में दृढ़ निश्चय, भक्ति और ईश्वर की कृपा की एक अद्भुत गाथा है। यह कथा बताती है कि कैसे 5 वर्ष के बालक ध्रुव ने अपनी सौतेली माँ के अपमान से दुखी होकर, भगवान विष्णु की घोर तपस्या की और 'ध्रुव तारे' के रूप में अमरता प्राप्त की। ध्रुव चरित्र का विस्तृत वर्णन- ध्रुव महाराज उत्तानपाद के पुत्र थे, जो स्वयंभू मनु के पौत्र थे। राजा उत्तानपाद की दो पत्नियाँ थीं- सुनीति (ध्रुव की माँ) और सुरुचि राजा की प्रिय रानी थी, जबकि सुनीति उपेक्षित थी। अपमान का क्षण- एक दिन ध्रुव ने अपने पिता की गोद में बैठने की इच्छा की, जहाँ सौतेला भाई बैठा था। सुरुचि ने ध्रुव को अपमानित किया और कहा कि पिता की गोद में बैठने के लिए उसे सुरुचि के गर्भ से पुनर्जन्म लेना होगा। माँ सुनीति ने ध्रुव को धीरज बंधाया और भगवान विष्णु की शरण में जाने को कहा। 5 वर्षीय ध्रुव ने दृढ़ निश्चय के साथ घर छोड़ दिया और मधुवन में घोर तपस्या करने लगे। भगवान विष्णु की कृपा- ध्रुव की कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु प्रकट हुए और उसे अचल पद (ध्रुव तारा) होने का वरदान दिया। राज्य और अमरता- ध्रुव ने वर्षों तक राजा के रूप में धर्मपूर्वक शासन किया और अंतत ध्रुवलोक को प्राप्त किया, जहाँ वह सप्तऋषियों से ऊपर चमकते हैं।कथा की सारांश यह सिखाती है कि यदि दृढ़ निश्चय और सच्ची भक्ति हो, तो ईश्वर को प्राप्त करना और कठिन से कठिन लक्ष्य को पाना असंभव नहीं है। कथा में मुख्य यजमान लक्ष्मी छाया/संजय कश्यप, यजमान रजनी/ बृजभूषण कश्यप हैं, कथा श्रवण करता में रामकुमार कश्यप, सावित्री कश्यप, चंपा बाई, कुशल प्रसाद, अन्नपूर्णा कश्यप, अश्विनी कश्यप, पूर्णिमा कश्यप, राम अवतार कश्यप, ज्योतिष कश्यप, भास्कर लाल कश्यप, रामशरण कश्यप, राम रतन कौशिक, राज भवन कश्यप, संतोष कुमार कश्यप, रामसनेही साहू, लवकुमार कश्यप, चंद्रभूषण कश्यप, महेंद्र कुमार पटेल, मणि शंकर मिश्रा, रोशन कुमार कश्यप, कुंती बाई कश्यप, रश्मि कश्यप, रूपाली कश्यप, पंकज आयुष कश्यप, हिमांशु कश्यप, बिसाहिन बाई कश्यप एवं ग्रामवासी रहे।

नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत उपचुनाव हेतु नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ

- पार्षद 1, सरपंच 2 और 16 पंच पदों के लिए होंगे उप चुनाव

बिलासपुर। नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत उप चुनाव के लिए अधिसूचना जारी होने के साथ ही आज से नामांकन पत्र लेने की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। नामांकन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 18 मई 2026 निर्धारित की गई है। नामांकन पत्रों की जांच 19 मई को की जाएगी तथा 21 मई तक नाम वापसी की जा सकेगी। इसके बाद 1 जून 2026 को मतदान संपन्न होगा।नगर निगम बिलासपुर के वार्ड क्रमांक 29 में पार्षद पद के लिए नामांकन पत्र जिला कलेक्टोरेट के भू-तल स्थित कक्ष क्रमांक 25 में स्वीकार किए जाएंगे। वहीं त्रिस्तरीय पंचायत उपचुनाव के लिए संबंधित जनपद पंचायत कार्यालयों में नामांकन पत्र जमा किए जाएंगे। पार्षद चुनाव के लिए अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी डॉ. ज्योति पटेल को रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया गया है, जबकि पंचायत चुनावों के लिए संबंधित तहसीलदारों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिले में नगर निगम बिलासपुर के वार्ड 29 के एक पार्षद पद, 2 सरपंच तथा 16 पंच पदों के लिए निर्वाचन कार्यक्रम घोषित किया गया है। रिक्त सरपंच पदों में विकासखंड मस्तुरी के केंवटाडीह (भूतहा) एवं विकासखंड बिल्हा के मानिकपुर ग्राम पंचायत शामिल हैं। केंवटाडीह में पूर्व निर्वाचित सरपंच श्री पंचराम गोड़ के आकस्मिक निधन के कारण पद रिक्त हुआ है, जबकि मानिकपुर में पूर्व पंचायत चुनाव के दौरान एक भी नाम निर्देशन पत्र प्राप्त नहीं होने से पद खाली है। 16 पंच पदों के लिए होने वाले चुनावों में बिल्हा विकासखंड के 3, मस्तुरी के 6 तथा कोटा विकासखंड के 7 पद शामिल हैं। निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही संबंधित क्षेत्रों में आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील कर दी गई है।

महतारी जतन योजना बनी बेटी के उज्ज्वल भविष्य का सहारा....

- महिला श्रमिक को मिली मिली 20000 की आर्थिक सहायता

बिलासपुर। राजकिशोर नगर समाधान शिविर में श्रम विभाग द्वारा महिला श्रमिक जयोति गोंड को 20000 की आर्थिक सहायता दी गई है, सहायता राशि प्राप्त करने के बाद ज्योति ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं राज्य शासन के प्रति आभार व्यक्त किया। ज्योति ने बताया कि वह राशि का उपयोग बेटी का भविष्य सुरक्षित करने में करेगी और इसे सुकन्या समृद्धि योजना में निवेश करेगी। ज्योति ने कहा कि सरकार की जनहितैषी योजनाएं वास्तव में जरूरतमंद परिवारों तक पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि शिविर में ना केवल समस्याओं का त्वरित निराकरण हो रहा है साथ ही विभिन्न योजनाओं का लाभ भी सीधे हितग्राहियों तक पहुंच रहा है। हरसिंगार भवन सामुदायिक भवन में आयोजित इस समाधान शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की मौजूदगी में आमजन की समस्याओं और मांगों से जुड़े आवेदनों पर सुनवाई की गई। साथ ही पात्र हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ भी मौके पर प्रदान किया गया।

महाप्रबंधक के साथ ऑल इंडिया एससी/एसटी रेलवे कर्मचारी संगठन,दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के पदाधिकारियों की बैठक सम्पन्न

बिलासपुर। आज दिनांक 11 मई 2026 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय, बिलासपुर स्थित सभागार में महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश की अध्यक्षता में ऑल इंडिया एससी/एसटी रेलवे कर्मचारी संगठन, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के पदाधिकारियों के साथ बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। बैठक में संगठन के जोनल प्रेसिडेंट श्री एम.एस. खोब्रागड़े, जोनल सेक्रेटरी श्री प्रभात पासवान, जोनल वर्किंग प्रेसिडेंट श्री जी. चन्द्रशेखर सहित बिलासपुर, रायपुर एवं नागपुर मंडलों के पदाधिकारी उपस्थित थे। इसके साथ ही दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सभी विभागों के विभागाध्यक्ष तथा प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री आदित्य कुमार एवं मुख्य कार्मिक अधिकारी (आईआर) डॉ. दर्शनिता बी. अहलुवालिया बैठक में शामिल हुए। बैठक के दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश के समक्ष पदोन्नति, स्थानांतरण तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के रेल कर्मचारियों के कल्याण से संबंधित विभिन्न मुद्दों को उठाया। इस पर सभी विभागाध्यक्षों द्वारा विभागवार जानकारी एवं आवश्यक स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया गया। महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं एवं शिकायतों का नियमानुसार एवं संवेदनशीलता के साथ त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कर्मचारी हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया।

सुशासन तिहार 2026: साय सरकार सुशासन लेकर पहुंची है आपके द्वार-सुशांत शुक्ला

- समस्याओं का हो रहा त्वरित समाधान, विकास के लिए सामूहिक भागीदारी जरूरी
- प्रधानमंत्री मोदी जी की गारंटी और सीएम विष्णुदेव साय के सुशासन में संवर रहा छ.ग.

बिलासपुर। सुशासन तिहार 2026 के तहत अलग-अलग जोन क्षेत्रों में समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है, इसी तारतम्य में आज जोन क्रमांक 7 के वार्ड 47, 48. 51, 52 के लिए राजकिशोर नगर स्थित हर श्रृंगार कॉलोनी सामुदायिक भवन में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के तौर पर बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला शामिल हुए,जहां उन्होंने अलग-अलग विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण किया और उपस्थित नागरिकों से भी चर्चा की। इस अवसर पर प्राप्त आवेदनों के अब तक किए गए निराकरण की जानकारी विधायक श्री शुक्ला ने लिया और शेष आवेदनों का भी शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने कहा की सुशासन की सशक्त स्थापना,आमजनों की समस्याओं के समाधान और योजनाओं की पहुंच अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे इसके लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छ.ग. सरकार ने सुशासन तिहार का आरंभ किया है। पिछले ढाई वर्षों में निश्चित तौर पर पूरे प्रदेश में सुशासन घर-घर तक पहुंचा है और अब सुशासन तिहार के माध्यम से साय सरकार इसे आपके द्वार तक लेकर आई है। सुशासन तिहार के तहत आमजनों की समस्या का त्वरित गति से निराकरण हो रहा है, अपने संबोधन में विधायक श्री शुक्ला ने कहा की सबकी भागीदारी से हम बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में विकास की गंगा बहाएंगे, बात चाहे स्वच्छता की हो या विकास की सबकी भागीदारी जरूरी है। शिविर में पहुंची महापौर श्रीमती पूजा विधानी ने कहा की प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सुशासन से छ.ग. संवर रहा है। शहरी क्षेत्र में मूलभूत सुविधा और समस्याओं के समाधान के लिए नगर निगम हमेशा तत्पर रहती है सुशासन तिहार से और भी त्वरित गति से समस्याओं का समाधान हो रहा है।

एक ही ऐप में रेलवे की सभी सुविधाएँ,यात्रियों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा रेलवन ऐप

- बिलासपुर मंडल के व्यापक प्रचार-प्रसार से बढ़ रहा डिजिटल टिकटिंग का दायरा, लाखों यात्री उठा रहे लाभ
- बुकिंग काउंटर पर लगे रेलवन ऐप स्टिकर में उपलब्ध क्यूआर कोड के माध्यम से भी रेलवन ऐप डाउनलोड या टिकट बुक कर सकते हैं यात्री

बिलासपुर। भारतीय रेलवे द्वारा यात्रियों को आधुनिक, त्वरित एवं सुविधाजनक डिजिटल सेवाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में विकसित रेलवन ऐप यात्रियों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। पिछले वर्ष जुलाई में प्रारंभ किए गए इस एकीकृत मोबाइल ऐप को देशभर में अब तक करोड़ों लोग डाउनलोड कर चुके हैं तथा इसका उपयोग लगातार बढ़ रहा है।

रेलवन ऐप की प्रमुख विशेषताएँ, उपयोगिता एवं लाभ

इस ऐप के माध्यम से यात्री आरक्षित, अनारक्षित एवं प्लेटफॉर्म टिकटों की आसानी से बुकिंग कर सकते हैं, साथ ही टिकट रद्दीकरण एवं रिफंड की प्रक्रिया भी बेहद सरल एवं त्वरित रूप में उपलब्ध है। यात्रियों को पीएनआर स्टेटस, वेटिंग स्थिति, लाइव ट्रेन रनिंग स्टेटस, ट्रेन के आगमन एवं प्रस्थान समय, प्लेटफॉर्म नंबर तथा कोच पोजिशन जैसी महत्वपूर्ण जानकारियाँ भी रियल टाइम में प्राप्त होती है। रेलवन ऐप सुरक्षित, सुविधाजनक एवं

तेज डिजिटल भुगतान सुविधा उपलब्ध कराता है। रेलवन ऐप में यात्रियों को तेज, सुरक्षित एवं सुविधाजनक डिजिटल टिकटिंग सुविधा मिलने के कारण यात्रियों का समय एवं श्रम दोनों की बचत हो रही है तथा टिकट काउंटरों में भीड़ एवं लंबी कतारों से राहत मिल रही है। यात्री कहीं से भी अपने मोबाइल के माध्यम से आसानी से टिकट बुक कर सकते हैं। यह ऐप पारदर्शी एवं कैशलेस टिकटिंग व्यवस्था को बढ़ावा देने के साथ-साथ खुल्ले पैसे एवं फेक करेंसी जैसी समस्याओं से भी राहत प्रदान कर रही है। यात्रियों की सुविधा को और बेहतर बनाते हुए रेलवन ऐप के माध्यम से यात्रा के दौरान भोजन ऑर्डर करने की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे पसंदीदा भोजन सीट तक पहुँचाया जाता है। डिजिटल इंडिया अभियान को सशक्त बनाने में भी रेलवन ऐप महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। रेलवन ऐप के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुक कर डिजिटल भुगतान करने पर यात्रियों को 3 प्रतिशत की छूट भी प्रदान की जा रही है, जो 14 जुलाई 2026 तक प्रभावी है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल द्वारा रेलवन ऐप के प्रचार-प्रसार हेतु निरंतर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। मंडल के 81 स्टेशनों के बुकिंग कार्यालयों में RailOne ऐप के फ्लेक्स, बैनर एवं पोस्टर प्रदर्शित किए गए हैं। प्रमुख स्टेशनों पर उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से यात्रियों को ऐप की जानकारी दी जा रही है।

भीषण गर्मी से बचना है तो अपनाएं ये देसी नुस्खा

भीषण गर्मी में लोग जहां ठंडे पेय पदार्थों की तलाश में रहते हैं, गांवों में आज भी एक देसी ड्रिंक सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। छाछ और दलिया से बनने वाला यह खास पेय न सिर्फ शरीर को ठंडा रखता है, बल्कि दिनभर ऊर्जा भी बनाए रखता है। यही वजह है कि आधुनिक ड्रिंक्स के बीच भी यह पारंपरिक नुस्खा आज तक लोगों की पहली पसंद बना हुआ है।

भीषण गर्मी से बचने के लिए ग्रामीण इलाकों में आज भी लोग देसी और कारगर नुस्खों पर भरोसा करते हैं। घर से बाहर निकलने से पहले यहां के लोग एक खास पारंपरिक ड्रिंक जरूर पीते हैं, जो उन्हें दिनभर तरोताजा बनाए रखता है। यह देसी पेय छाछ और दलिया को मिलाकर तैयार किया जाता है, जिसमें स्वाद बढ़ाने के लिए नमक और भुना हुआ जीरा डाला जाता है। देखने में भले ही साधारण लगे, लेकिन यह ड्रिंक पोषण और ठंडक से भरपूर होता है, जो गर्मी में शरीर को अंदर से मजबूत और हाइड्रेट रखने में मदद करता है। जैसे-जैसे गर्मी अपने चरम पर पहुंचती है, शरीर को संभालना भी एक चुनौती बन जाता है। तेज धूप, बढ़ता तापमान और पसीना सब मिलकर शरीर से पानी और ऊर्जा दोनों छीन लेते हैं। ऐसे में थकान, डिहाइड्रेशन और पाचन से जुड़ी दिक्कतें आम हो जाती हैं। यही पर आपकी डाइट सबसे बड़ा सहारा बनती है।

अगर खान-पान सही हो, तो गर्मी का असर काफी हद तक कम किया जा सकता है। खासकर ऐसे पेय, जो शरीर को ठंडक देने के साथ-साथ एनर्जी भी दें, इस मौसम में किसी वरदान से कम नहीं होते। छाछ और दलिया का यह मेल सिर्फ स्वाद ही नहीं, सेहत का भी जबरदस्त कॉम्बिनेशन है। छाछ जहां शरीर को ठंडक पहुंचाकर पाचन तंत्र को मजबूत बनाती है, वहीं दलिया लंबे समय तक ऊर्जा देने का काम करता है, जिससे शरीर दिनभर एक्टिव बना रहता है। जब ये दोनों एक साथ मिलते हैं, तो यह ड्रिंक पूरी तरह संतुलित और पौष्टिक बन जाता है।

गर्मियों में ऐसे देसी पेय किसी नेचुरल टॉनिक से कम नहीं होते। यह ड्रिंक शरीर को डिहाइड्रेशन से बचाने के साथ-साथ लू लगने के खतरे को भी काफी हद तक कम कर देता है। सबसे खास बात यह है कि इसे पीने के बाद शरीर अंदर से ठंडा और हल्का महसूस करता है, जिससे दिनभर ताजगी बनी रहती है। साथ ही यह लगातार ऊर्जा देता है, जो तपती गर्मी में शरीर को एक्टिव और हेल्दी बनाए रखने के लिए बेहद जरूरी होता है। यानी एक साधारण सा देसी पेय, लेकिन फायदे बड़े-बड़े।

परफेक्ट मेकअप के लिए जरूरी है सही फाउंडेशन

पहले पहचानें अपनी स्किन का अंडरटोन

सही फाउंडेशन चुनने के लिए अपनी स्किन का अंडरटोन जानना जरूरी है। अंडरटोन तीन तरह के होते हैं—वॉर्म, कूल और न्यूट्रल। यह आपकी स्किन के नीचे छिपे रंग को दर्शाता है और सही शेड चुनने में मदद करता है।

नसों से समझें अपना टोन

अंडरटोन पहचानने का आसान तरीका है अपनी कलाई की नसों को देखना। अगर नसें हरी दिखें तो वॉर्म टोन, नीली या बैंगनी दिखें तो कूल टोन और अगर दोनों का मिक्स लगे तो आपका टोन न्यूट्रल हो सकता है।

स्किन टाइप भी है उतना ही जरूरी

सिर्फ शेड ही नहीं, स्किन टाइप का ध्यान रखना भी जरूरी है। ऑयली, ड्राई या कॉम्बिनेशन स्किन के हिसाब से फाउंडेशन चुनें, तभी यह लंबे समय तक टिकेगा और नेचुरल लगेगा।

व्हीटिश और वॉर्म स्किन के लिए सही चॉइस

अगर आपकी स्किन व्हीटिश या वॉर्म टोन की है, तो मैट या लिक्विड फाउंडेशन बेहतर रहता है। जरूरत पड़ने पर दो शेड्स को मिलाकर भी परफेक्ट मैच पाया जा सकता है।

मेकअप को खूबसूरत और नेचुरल दिखाने के लिए फाउंडेशन सबसे अहम स्टेप माना जाता है। यह न सिर्फ चेहरे के दाग-धब्बों को छुपाता है, बल्कि स्किन टोन को एकसमान बनाकर स्मूद और ग्लोइंग लुक देता है। लेकिन कई बार लोग बिना सोचे-समझे कोई भी फाउंडेशन चुन लेते हैं, जिससे पूरा मेकअप बिगड़ सकता है। गलत शेड लगाने से चेहरा या तो फीका और बेजान लगने लगता है या फिर जरूरत से ज्यादा चमकदार नजर आता है। ऐसे में जरूरी है कि फाउंडेशन चुनते समय अपनी स्किन टोन और अंडरटोन को समझा जाए। सही फाउंडेशन न सिर्फ आपके चेहरे की खूबसूरती बढ़ाता है, बल्कि मेकअप को लंबे समय तक टिकाए रखने में भी मदद करता है, जिससे आपका लुक हर मौके पर परफेक्ट नजर आता है।

घर में नेल आर्ट करने का आसान तरीका

आजकल ब्यूटीफुल नेल्स काफी ट्रेंडी फैशन है। लड़कियां सैलून जाकर हजारों रुपये खर्च करती हैं और नेल्स आर्ट बनवाती हैं। लेकिन जरूरी नहीं कि सबका बजट हजारों रुपये खर्च करने का हो। आप थोड़ी सी क्रिएटिविटी की मदद से घर में ही ब्यूटीफुल नेल आर्ट बना सकती हैं। ये डिजाइन बनाने के लिए आपको चाहिए बस किचन स्पंज और मनचाही दो कलर की नेलपेंट। चलिए जानें कैसे आप मिनटों में ये नेल आर्ट कर सकती हैं।

घर में नेल आर्ट करना है तो बस इन सिंपल स्टेप को फॉलो करें। बस किसी भी पेस्टल शेड की नेलपेंट लें। साथ ही शाइनी वाली नेल पेंट लें। ऐसी दो नेलपॉलिश जो एक दूसरे के साथ मैच कर रही हो और उनका कॉम्बिनेशन अट्रैक्टिव हो।

बस अब बर्तन धोने वाले स्पंज का छोटा टुकड़ा लें। नेलपॉलिश की एक से दो कोट लगाएं। लाइट शेड की नेलपॉलिश ज्यादा फिट बैठेगी। इसे अच्छी तरह से सूख जाने दें। अब ग्लिटर वाली नेलपेंट को स्पंज पर लगाएं। फिर इस नेलपॉलिश लगे स्पंज को हर उंगली के नाखून के आगे वाले हिस्से पर डैब-डैब करें। ऐसा करने से ग्लिटर वाली नेलपॉलिश स्पंज से नाखूनों पर ट्रांसफर हो जाएगी और ये नेल पॉलिश के ऊपर ही लग जाएगी। मनचाही उंगलियों में इसे लगाएं। बस इसे भी अच्छी तरह से सूख जाने दें। अब इस नेल पेंट डिजाइन में शाइन लाने के लिए सबसे ऊपर लास्ट कोट ट्रांसपैरेंट नेलपॉलिश की लगा लें। जिससे कि ये शाइनी दिखे बल्कि इसकी फिनिशिंग सैलून जैसी भी नजर आए।

आप चाहें तो डिजाइन बढ़ाने के लिए माचिस की तीली लें और छोटे-छोटे प्वाइंट जैसी डिजाइन भी बना लें।

इन बातों का रखें ध्यान

जब भी नेल आर्ट घर में बना रहीं हो तो अक्सर नेलपॉलिश नाखून के किनारे लगने का डर रहता है। जिसकी वह से नेल आर्ट में फिनिशिंग नहीं दिखती। लेकिन इस छोटो से स्टेप को फॉलो करने के साथ ही नेल आर्ट को बनाएं। जिससे नेल्स फिनिश नजर आएं। सबसे पहले नाखून के साइड पर ऑयल या क्रीम लगा लें। ऐसा करने से नेलपॉलिश का धब्बा नहीं बनता है और फिनिशिंग अच्छी आती है। अगर नेलपॉलिश लग भी जाए तो आसानी से हटा सकते हैं। साथ ही शाइन के लिए नाखून पर पहले एक कोट ट्रांसपैरेंट नेलपेंट की भी लगा दें। इससे नाखूनों में शाइन ज्यादा दिखती है और नेल्स पर लगी नेलपॉलिश की शाइन अक्सर सैलून जैसा फिनिश देती है।

अपनी खुशियों का रिमोट दूसरों को ना दें

जब कोई आपको जानबूझकर उकसाता है, तो वह असल में आपके दिमागी सुकून का रिमोट कंट्रोल अपने हाथ में लेने की कोशिश कर रहा होता है। ऐसे पल में किसी भी व्यक्ति को गुस्सा आना स्वाभाविक है, लेकिन इस समय जो व्यक्ति चुप्पी या अपना संयम बनाए रखता है, वह किसी कमजोरी की निशानी नहीं, बल्कि एक सोची-समझी रणनीति होती है। मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि उकसावे के बीच शांत रहना एक 'सुपरपावर' की तरह काम करता है, जो न केवल विवाद को खत्म करता है बल्कि सामने वाले के इरादों को भी पूरी तरह पस्त कर देता है।

हर किसी व्यक्ति की जिंदगी में कुछ ऐसे लोग होते हैं, जो उन्हें जानबूझकर या अनजाने में उकसाते रहते हैं। वे ताने मारते हैं, चुभती हुई बातें कहते हैं, आपकी कमजोरी पकड़ लेते हैं या बार-बार वही मुद्दा उठाते हैं, जो आपको परेशान करता है। ऐसे लोगों के आसपास शांत रहना आसान नहीं होता। दिल तेज धड़कने लगता है, गुस्सा आता है और तुरंत जवाब देने का मन करता है। लेकिन सच यह है कि शांत रहना कमजोरी नहीं, बल्कि आपकी असल ताकत है। आइए जानते हैं जब कोई भड़काने की कोशिश करें, तो कौन से 6 तरीके आपका 'सुकून' बचाए रखने में आपकी मदद कर सकते हैं।

शांत रहने के लिए अपनाएं ये तरीके

तुरंत रिएक्ट करने की जगह रुकना सीखें : उकसाने वाली बात सुनते ही दिमाग अलर्ट हो जाता है। शरीर लड़ने या जवाब देने के लिए तैयार हो जाता है। ऐसे समय सबसे पहले जरूरी है रुकना। गहरी सास लेना, कुछ सेकंड चुप रहना, नजरें थोड़ा हटाना, ये छोटे कदम शरीर को संकेत देते हैं कि अभी खतरा नहीं है। हर बात का तुरंत जवाब देना जरूरी नहीं होता। कई बार चुप रहना ही सबसे मजबूत जवाब होता है।

समझें कि उकसाना अक्सर सामने वाले की कहानी है : जो लोग बार-बार उकसाते हैं, वे अक्सर अपने अंदर की निराशा, असुरक्षा या गुस्से को बाहर निकाल रहे होते हैं। उनका व्यवहार आपके बारे में कम और उनके बारे में ज्यादा बताता है। जब यह समझ आ जाती है, तो बातों का असर थोड़ा कम हो जाता है। हर टिप्पणी को व्यक्तिगत हमला मानना जरूरी नहीं है।

अपनी ट्रिगर पहचानें : हर व्यक्ति की कुछ खास बातें होती हैं, जिनसे वह जल्दी भड़क जाता है। शायद कोई आपकी क्षमता पर सवाल उठाए, या आपकी तुलना करें, या आपके अतीत की बात छेड़े। अगर आप अपने ट्रिगर पहचान लेंगे, तो आप पहले से तैयार रहेंगे। जब आपको पहले से ही पता होगा कि कौन सी बात आपको परेशान करती है, तो उस पर रिएक्ट करने से पहले खुद को संभालना आसान होगा।

सीमाएं तय करना सीखें : शांत रहना का मतलब सब सहना नहीं है। अगर कोई बार-बार सीमा पार कर रहा है, तो साफ शब्दों में कहना जरूरी है कि यह ठीक नहीं है। 'मुझे इस तरह की बात पसंद नहीं' या 'इस विषय पर बात न करें' जैसे वाक्य बहुत प्रभावी हो सकते हैं। सम्मानजनक तरीके से सीमा तय करना आपको अंदर से मजबूत बनाता है।

आज का राशिफल

मेष राशि - कल का दिन आपके लिए सफलता और मान-सम्मान का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के दशम भाव से एकादश भाव में गोचर करेंगे। आर्थिक लाभ के प्रबल योग हैं। लव लाइफ में पार्टनर के साथ तालमेल बेहतरीन रहेगा। कल आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, जिससे आप ऊर्जावान महसूस करेंगे। किसी नई योजना पर काम शुरू करना लाभकारी सिद्ध होगा।

वृषभ राशि - आपकी राशि में शुक्र की मौजूदगी आपके आकर्षण को बढ़ाएगी और दांपत्य जीवन में सुख-शांति लाएगी। बिजनेस के सिलसिले में की गई यात्रा सुखद और आर्थिक लाभ देने वाली होगी। जॉब में उच्चाधिकारियों से प्रशंसा मिलेगी। लव लाइफ में रोमांस बढ़ेगा। कल आपका स्वास्थ्य बेहतर रहेगा, पुरानी बीमारी से राहत मिल सकती है।

मिथुन राशि - आपकी राशि में गुरु बृहस्पति की उपस्थिति आपको ज्ञान देगी, लेकिन आठवें चंद्रमा के कारण आर्थिक जोखिम उठाने से बचें, अन्यथा आर्थिक हानि हो सकती है। नौकरी में गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें और प्रतिस्पर्धा में संयम बरतें। लव लाइफ में किसी पुरानी बात को लेकर मानसिक तनाव हो सकता है। कल आप स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें।

कर्क राशि - आपके लिए साझेदारी और वैवाहिक सुख का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के सप्तम भाव से निकलकर अष्टम भाव में गोचर करेंगे। बिजनेस में नए अनुबंध होने से आर्थिक लाभ की संभावनाएं बढ़ेंगी। नौकरी में आपकी तरक्की के नए अवसर प्राप्त होंगे। रिलेशनशिप में मधुरता आएगी और पार्टनर के साथ प्यार के रिश्ते में मजबूती दिखेगी।

सिंह राशि - आपके लिए विजय और संघर्ष के बाद लाभ का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के छठे भाव से निकलकर सप्तम भाव में संचरण करेंगे। आपकी राशि में केतु की स्थिति आपको अनुशासित रखेगी। करियर में आ रही चुनौतियां आपकी कड़ी मेहनत से दूर होंगी और शत्रुओं पर आपकी जीत होगी। नौकरी में कार्यस्थल पर आपका प्रभाव बढ़ेगा।

कन्या राशि - शिक्षा और कला से जुड़े लोगों को नए अवसर और सफलता मिलेगी। आर्थिक लाभ के योग हैं, निवेश से मुनाफा होगा। जॉब में आपकी नई योजना अधिकारियों को प्रभावित करेगी। लव लाइफ में प्यार और रोमांस की अधिकता रहेगी, आपसी आकर्षण बढ़ेगा। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा और ऊर्जा का स्तर ऊंचा रहेगा। दोस्ती में मजबूती आएगी।

तुला राशि-पारिवारिक सुख और मानसिक शांति का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के चतुर्थ भाव से निकलकर पांचवें भाव में संचरण करेंगे। बिजनेस में स्थिरता आएगी और आर्थिक मजबूती मिलेगी। नौकरी में पद-प्रतिष्ठा बढ़ने के संकेत है। घर की साज-सज्जा पर धन व्यय हो सकता है।

वृश्चिक राशि - साहस और सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ाने वाला रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के तृतीय भाव से निकलकर चतुर्थ भाव में मौजूद रहेंगे। करियर में आपके द्वारा लिए गए साहसी निर्णय आपको तरक्की दिलाएंगे। बिजनेस संबंधी छोटी यात्रा सुखद और आर्थिक लाभ देने वाली होगी। लव लाइफ में पार्टनर के साथ तालमेल बढ़ेगा।

धनु राशि- कल आर्थिक लाभ की प्रबल संभावनाएं हैं, जिससे संचित धन में वृद्धि होगी। बिजनेस में नई डील होने से मन उत्साहित रहेगा। नौकरी में आपकी वाणी का प्रभाव प्रमोशन दिला सकता है। परिवार में सुख-शांति रहेगी। लव लाइफ में स्थिरता आएगी। कल आप स्वास्थ्य का ध्यान रखें, आंखों में समस्या हो सकती है। निवेश के लिए समय अनुकूल है।

मकर राशि - सफलता और आत्म-विकास का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के प्रथम भाव से निकलकर दूसरे भाव में गोचर करेंगे। आप नई ऊर्जा और उत्साह से भरपूर रहेंगे। करियर में आपकी नेतृत्व क्षमता खिलेगी, जिससे सफलता सुनिश्चित होगी। बिजनेस में लाभ के नए मार्ग खुलेंगे। लव लाइफ में प्यार और रोमांस बढ़ेगा।

कुंभ राशि- आपके लिए सावधानी और व्यय का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के द्वादश भाव से निकलकर पहले भाव में संचरण करेंगे। आपकी राशि में राहु का संचार आपको थोड़ा भ्रमित कर सकता है, इसलिए किसी भी निर्णय को लेने में जल्दबाजी न करें। नौकरी में कार्यभार बढ़ने से मानसिक तनाव महसूस हो सकता है।

मीन राशि- आपके लिए भारी लाभ और इच्छापूर्ति का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के एकादश भाव से निकलकर बारहवें भाव में गोचर करेंगे। आपकी राशि में मंगल और शनि की युति आपको अनुशासित बनाएगी। आय के नए स्रोत बनेंगे और आर्थिक लाभ से मन प्रसन्न रहेगा। करियर में तरक्की के द्वार खुलेंगे। बिजनेस में विस्तार की योजना सफल होगी।

गुड़हल, ब्यूटी रुटीन में शामिल करने के हैं कई फायदे

प्राकृतिक सुंदरता की चाहत हर किसी की होती है, लेकिन केमिकल से बने प्रॉडक्ट्स स्किन और बालों को नुकसान पहुंच सकता है। ऐसे में गुड़हल एक बेहद असरदार, सुरक्षित और आयुर्वेदिक ऑप्शन बनकर सामने आता है। इसे बोटॉक्स पौधा भी कहा जाता है, क्योंकि यह स्किन को कसाव देने और जवां बनाए रखने में सहायक होता है। इसके फूल, पत्तियां और तेल तीनों ही, स्किन और बालों की देखभाल में काफी असरदार साबित होते हैं। इसलिए गुड़हल को अपने ब्यूटी केयर रुटीन में शामिल करना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। आइए जानें इसके क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

स्किन और बालों के लिए गुड़हल के फायदे

डेड स्किन सेलस् हटाता है- गुड़हल मे अल्फा हाइड्रॉक्सी एसिड (AHA) पाए जाते हैं जो स्किन को एक्सफोलिएट करके डेड स्किन हटाते है।

एंटी-एजिंग गुण- इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और फ्लावोनॉयड्स त्वचा की झुर्रियों और फाइन लाइन्स को कम करके उसे जवां बनाए रखते हैं। यह स्किन को टाइट बनाकर एजिंग के लक्षणों को कम करने मे मदद करता है।

त्वचा की गहराई से सफाई- गुड़हल स्किन की गहराई से सफाई करता है और पोर्स को क्लीन रखता है जिससे एक्ने और ब्लैकहेड्स की समस्या कम होती है।

स्किन के अन इवेन टोन को सुधारे- गुड़हल की पेस्ट या फेस मास्क स्किन की टोन को समान बनाता है और नेचुरल ब्राइटनिंग देता है।

दाग-धब्बों और पिगमेंटेशन से राहत- इसके नियमित इस्तेमाल से डार्क स्पॉट्स, सनटैन और पिगमेंटेशन कम होते हैं।

मुहांसों से सुरक्षा- इसमें मौजूद एंटी-बैक्टीरियल तत्व एक्ने को रोकते हैं और स्किन को हेल्दी बनाते हैं।

बालों की ग्रोथ में सहायक- गुड़हल की पत्तियों और फूलों से बना हेयर मास्क स्कैल्प को पोषण देता है और बालों की जड़ों को मजबूत करता है।

डैंड्रफ को करे दूर- इसके एंटी-फंगल गुण स्कैल्प की खुजली और रूसी को दूर करने में मदद करते हैं।

बालों को गहराई से मॉइस्चराइज करे- गुड़हल बालों को नमी देकर ड्राइनेस हटाता है और उन्हें स्मूद और शाइनी बनाता है।

स्किन को नेचुरल ग्लो दे- गुड़हल में विटामिन-सी होता है, जो स्किन की चमक को बढ़ाता है और उसे फ्रेश लुक देता है।

त्वचा को हाइड्रेट और नरम बनाए- यह स्किन को हाइड्रेट करता है जिससे त्वचा मुलायम और लचीली बनी रहती है।

आपके लिए किचन के कमाल के हैक्स

किचन के कई काम ऐसे हैं, जिन्हें करने में समय लगता है। तो वही कुछ ऐसी चीजें भी हैं, जिन्हें बनाने में समय लगता है। खासतौर पर अगर आप किचन के लिए बिगिनर्स हो तो ये समय काफी ज्यादा होता है। चटोरी चेतना एक बार फिर से आपके लिए किचन के कमाल के हैक्स लेकर आई हैं, जो आपके किचन के मुश्किल कामों को आसान कर देंगे। उन्होंने 5 अमेजिंग कुकिंग हैक्स शेयर किए हैं, जिससे खाना भी टेस्टी बनेगा और आपको घंटों मेहनत नहीं करनी होगी। चलिए बताते हैं क्या हैं खास कुकिंग हैक्स-

1. **भरवां पराठा :–** आलू, प्याज, गोभी, पनीर का पराठा बनाना लगता है मुश्किल तो बस ये हैक कर ले ट्राई। चटोरी चेतना ने बताया कि पतला आटे की 2 लोई अलग-अलग पहले बेल कर रख ले। अब एक रोटी पर पर स्टफिंग वाला सामान रखे इसके बाद दूसरी बेली हुई रोटी को ऊपर से लगा दे। फिर इसे हल्के हाथों से बेलकर पराठा सेंक लें। भरवा पराठा आसानी से बनकर तैयार हो जाएगा।

2. **खस्ता कचौड़ी–पूड़ी :–** समय कम है और पूड़ी-कचौड़ी, डोसा को खस्ता बनाना है, तो आटे में सूजी जरूर मिलाना। सूजी आपकी सभी चीजों को खस्ता कर देगी और स्वाद भी गजब का देगी। डोसा, कचौड़ी, पूड़ी के आटे मे इसे मिलाकर बनाएं और क्रिस्पी पूड़ियां लोगों को खिलाएं।

3. **आलू कैसे उबालें :–** चेतना का कहना है कि आलू हमेशा छीलने के बाद उबालें, इससे इन्हें गर्म-गर्म छीलने का झंझट खत्म हो जाएगा। आप बस इन्हें उबालकर मैशर से फोड़कर मैश कर लें। काम आसान हो जाएगा।

4. **सब्जी का स्वाद कैसे बढ़ाए :–** सब्जी का स्वाद है बढ़ाना तो मसाले को भूनकर डालना। जी हां, चटोरी चेतना का कहना है कि जीरा, साबुत धनिया जैसे मसालों को तवे पर रोस्ट करें और फिर मसाले में इस्तेमाल करें। सब्जी का स्वाद और खुशबू बिल्कुल अलग आएगी।

5. **बेसन में पड़ गई गुठली :–** बेसन को घोल बनाते समय उसमें पड़ जाती है, गुठलियां तो मिक्स करें पानी और दूध। चेतना का कहना है कि पानी के साथ जरा सा दूध मिलाएं और इन गुठलियों से परमानेंट छुटकारा पाएं।

क्या आप जानते हैं लौंग खाने का सही तरीका क्या है?

रसोई में मसाले के तौर पर इस्तेमाल होने वाली लौंग (Laung) सिर्फ स्वाद ही नहीं बढ़ाती, बल्कि सेहत के लिए भी किसी औषधि से कम नहीं है। आयुर्वेद में इसे पाचन सुधारने, सर्दी-खांसी से राहत देने और मुंह की दुर्गंध दूर करने के लिए खास माना गया है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि आधे से ज्यादा लोग इसे खाने का सही तरीका नहीं जानते। गलत तरीके से खाने पर इसके फायदे कम हो सकते हैं।

सुबह खाली पेट 1 लौंग चबाएं :– इसे धीरे-धीरे चबाकर खाएं और ऊपर से गुनगुना पानी पी लें। इससे पाचन मजबूत होता है। अगर सर्दी-खासी है तो 1 लौंग को पीसकर शहद में मिलाकर लेने से राहत मिलती है। 2-3 लौंग को पानी में उबालकर काढ़ा बनाकर पीने से गले की खराश और इम्युनिटी में फायदा होता है। रात में सोने से पहले एक लौंग चबाने से मुंह की बदबू दूर होती है और दांतो के दर्द में आराम मिलता है। रोज 1-2 लौंग से ज्यादा सेवन न करें, वरना पेट में जलन हो सकती है।

आयुर्वेद के अनुसार लौंग खाने के फायदे :- पाचन तंत्र मजबूत करता है। गैस और एसिडिटी में राहत देता है।

इम्युनिटी बढ़ाने में मददगार:- दांत दर्द और मसूड़ों की सूजन में फायदेमंद। सर्दी-खांसी से राहत दिलाता है। ब्लड शुगर कंट्रोल करने में मदद करता है.

ग्राम नर्राटोला के जनसमस्या निवारण शिविर में 17 ग्राम पंचायत के ग्रामीण हुए लाभान्वित

दल्लीराजहरा। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जनता के बीच पहुँचकर उनकी मांगों एवं समस्याओं की जानकारी लेने तथा उन्हें शासन के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करने हेतु लगातार जनसमस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत आदिवासी बहुल डौण्डी विकासखण्ड के सुदूर वनांचल के ग्राम नर्राटोला में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्राम नर्राटोला सहित शिविर में आसपास के 17 ग्राम पंचायत के ग्रामीणों को शासन के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया। शिविर में उपस्थित अपर कलेक्टर अजय किशोर लकरा, जनपद अध्यक्ष मुकेश कौड़ो, जनपद उपाध्यक्ष भोलाराम नेताम, जिला पंचायत सदस्य मिथलेश निरोटी, एसडीएम सुरेश साहू सहित अन्य अतिथियों के द्वारा हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवास निर्माण पूर्णता प्रमाण पत्र, श्रम कार्ड वितरण, मत्स्य पालन प्रचार योजना 02 हितग्राहियों को मछली जाल के अलावा स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत ग्राम नर्राटोला के हितग्राहियों को शौचालय निर्माण हेतु 12-12 हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि तथा शिविर में 05 दिव्यांग जनों को छड़ी एवं श्रवण यंत्र भी प्रदान किया गया। इसके साथ ही शिविर में हितग्राहियों को सामाजिक पेंशन योजना का स्वीकृति पत्र के अलावा स्कूली विद्यार्थियों को जाति एवं निवास प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। शिविर में कृषकों को डिजिटल किसान किताब, हितग्राहियों को नया राशन कार्ड का भी वितरण किया गया। इसके अलावा शिविर में राज्य शासन के निर्देशानुसार दिव्यांगजनों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने हेतु मेडिकल बोर्ड लगाया गया था। इस दौरान मेडिकल बोर्ड में शामिल विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा शिविर में दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने पहुँचे 02 दिव्यांगजनों का दिव्यांगता प्रमाण पत्र भी बनाया गया। इसके साथ ही शिविर में अतिथियों के द्वारा छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा आयोजित कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट अंकों के साथ उत्तीर्ण विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। शिविर में अतिथियों के द्वारा नन्हें-मुन्हें बच्चों को स्वादिष्ट खीर खिलाकर उनका अन्नप्राशन संस्कार कराया गया। इसके अलावा गर्भवती माताओं को सुपोषण किट भेंटकर उनके गोदभराई के रस्म को पूरा किया गया। ग्राम नर्राटोला में आयोजित शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 402 आवेदन प्राप्त हुए थे जिसमें से 86 आवेदनों को मौके पर निराकरण सुनिश्चित किया गया। इस अवसर पर जनसमस्या निवारण शिविर को संबोधित करते हुए अपर कलेक्टर अजय किशोर लकरा ने सुशासन तिहार के आयोजन के उद्देश्यों के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के द्वारा शासन-प्रशासन के नुमाइंदों का आम जनता के बीच उपस्थिति सुनिश्चित कराकर उनके मांगों एवं समस्याओं की जानकारी लेने तथा जमीनी स्तर पर जनकल्याणकारी योजनाओं की समुचित क्रियान्वयन का पड़ताल करने हेतु सुशासन तिहार का आयोजन किया गया है। जिससे कि आम जनता को शासन के जनकल्याणकारी योजनाओं का समुचित लाभ मिल सके। उन्होंने आम नागरिकों को सुशासन तिहार के अंतर्गत उनके क्षेत्र में आयोजित होने वाली जनसमस्या निवारण शिविरों में अनिवार्य रूप से अपनी उपस्थिति सुनिश्चित कर शासन के जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने को कहा। लकरा ने कहा कि राज्य शासन के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा जनसमस्या निवारण शिविर में प्राप्त शत प्रतिशत आवेदनों का निराकरण सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनपद अध्यक्ष मुकेश कौड़ो ने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार के द्वारा समाज के सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास हेतु अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। कौड़ो ने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से शासन-प्रशासन के लोगों के द्वारा आम जनता के बीच पहुँचकर धरातल में शासन के जनकल्याणकारी योजनाओं की क्रियान्वयन की पड़ताल की जा रही है। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों को सुशासन तिहार के अंतर्गत आम जनता से प्राप्त मांगों एवं समस्याओं का पूरी संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ निराकरण करने को कहा। जनपद उपाध्यक्ष भोलाराम नेताम ने भीषण गर्मी में भी नर्राटोला में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में ग्रामीणों की बड़ी संख्या में उपस्थिति की सराहना की।

उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों को सुशासन तिहार के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का समुचित निराकरण हेतु त्वरित कार्यवाही करने को कहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत सदस्य मिथलेश निरोटी ने शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर उन्होंने अंचल के प्रमुख मांगों पर प्रकाश डालते हुए मौके पर उपस्थित अधिकारियों को उनके समुचित निराकरण के उपाय सुनिश्चित करने को कहा। इस अवसर पर एसडीएम सुरेश साहू ने सुशासन तिहार के अंतर्गत ग्राम नर्राटोला सहित नर्राटोला कलस्टर में कुल 17 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों से प्राप्त कुल आवेदनों के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शासन से निर्देशानुसार सुशासन तिहार के अंतर्गत प्राप्त सभी आवेदनों के समुचित निराकरण की कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। उल्लेखनीय है कि नर्राटोला खेल मैदान में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में ग्राम साल्हे, घोतिमटोला, चिखली, नर्राटोला, खैरवाही, आडेझर, कुमुडकट्टा, गुदुम, नलकसा, कोपेडेरा, मरकाटोला, कोटागांव, सल्हेईटोला, कामता, अवारी, छिंदगांव और बम्हनी सहित 17 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण जन शामिल हुए थे। शिविर में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित कुल 134, राजस्व विभाग से 74, कृषि विभाग से प्राप्त 53, विद्युत विभाग के 16, शिक्षा विभाग से 10 सहित विभिन्न विभागों से कुल 402 आवेदन प्राप्त हुए थे। जिसमें से कुल 86 आवेदनों का निराकरण किया गया।

अघोषित बिजली कटौती व लो-वोल्टेज बना सरदर्द

कांग्रेसनेता टिंकू देवांगन ने साधा भाजपा पर निशाना

डोंगरगांव नगर। कांग्रेस के युवा नेता टिंकू देवांगन ने राज्य सरकार और बिजली विभाग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि 24 घंटे बिजली देने का दावा करने वाली सरकार जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनहीन बनी हुई है। उन्होंने कहा कि लगातार विद्युत कटौती किसी साजिश से कम नहीं लगती है। युवानेता ने कहा कि क्षेत्र में लगातार जारी अघोषित बिजली कटौती व लो-वोल्टेज से आमजन काफी परेशान है। बार-बार बिजली गुल होने से लोगों के दैनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। भीषण गर्मी के बीच बिजली की आंखमिचौली ने ग्रामीणों और नगरवासियों की मुश्किलें बढ़ा दी है। टिंकू देवांगन ने आरोप लगाया कि बिजली विभाग द्वारा कटौती को लेकर किसी प्रकार की पूर्व सूचना भी प्रसारित नहीं की जाती है, जिससे आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि किसान, व्यापारी, विद्यार्थी और आम नागरिक सभी इस समस्या से प्रभावित हैं, लेकिन सरकार और विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। कांग्रेसनेता ने कहा कि भाजपा सरकार जनता की मूलभूत सुविधाओं को लेकर गंभीर नहीं है। बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। कांग्रेस युवा नेता ने मांग की है कि बिजली विभाग जल्द से जल्द व्यवस्था में सुधार करे और अघोषित कटौती व लो वोल्टेज से निजात दिलाने पहल करे, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

द्वितीय नेशनल लोक अदालत में 13,029 प्रकरणों का सफल निराकरण, 2 करोड़ 57 लाख से अधिक राशि का हुआ समझौता

बेमेतरा। जिला न्यायालय बेमेतरा में वर्ष 2026 की द्वितीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 13,029 प्रकरणों का सविश्वसलतापूर्वक निराकरण किया गया। लोक अदालत में बड़ी संख्या में पक्षकार उपस्थित हुए तथा आपसी समझौते एवं सुलह के माध्यम से मामलों का त्वरित निपटारा किया गया। जिला एवं तहसील स्तर पर कुल 10 न्यायालयीन खंडपीठों का गठन किया गया, जिनमें जिला न्यायालय बेमेतरा में 9 तथा तहसील न्यायालय साजा में 1 खंडपीठ शामिल रही। प्रत्येक खंडपीठ में दो-दो सुलहकर्ता सदस्यों की नियुक्ति की गई थी। लोक अदालत में पक्षकारों की सुविधा के लिए विधिक सहायता डेस्क, स्वास्थ्य डेस्क, स्वचलित चिकित्सकीय वैन तथा बैंक, विद्युत विभाग, नगर पालिका एवं बीएसएनएल विभाग द्वारा प्री-लिटिगेशन प्रकरणों के निराकरण हेतु स्टॉल लगाए गए थे। लोक अदालत में कुल 11,746 प्री-लिटिगेशन एवं लंबित प्रकरण निराकरण हेतु रखे गए थे। इनमें राजस्व, विद्युत, बैंक एवं बीएसएनएल से संबंधित प्रकरणों का निराकरण कर 34 लाख 48 हजार 951 रुपये की वसूली की गई। वहीं न्यायालय में लंबित आपराधिक, सिविल, पारिवारिक, मोटर दुर्घटना दावा, एनआई एक्ट एवं अन्य मामलों का निराकरण कर कुल 2 करोड़ 23 लाख 42 हजार 561 रुपये का अवार्ड पारित किया गया। इस प्रकार जिले में कुल 2 करोड़ 57 लाख 91 हजार 512 रुपये की समझौता राशि वसूल की गई। नेशनल लोक अदालत के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा नालसा एवं सालसा योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए न्याय वृक्ष, द्वार तोरण एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसके माध्यम से आमजन को बाल विवाह निषेध, सड़क सुरक्षा, साइबर अपराध, मोटर यान अधिनियम, निःशुल्क विधिक सहायता सहित विभिन्न विधिक विषयों की जानकारी दी गई। न्यायालय परिसर में प्रेरणादायक सुविचारों की तख्तियां भी लगाई गईं, जिनके माध्यम से आपसी रंजिश समाप्त कर सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने का संदेश दिया गया। जिला न्यायालय परिसर में प्रोजेक्टर के माध्यम से घरेलू हिंसा, महिलाओं के विरुद्ध अपराध, साइबर क्राइम, सड़क दुर्घटना एवं अन्य सामाजिक विषयों पर आधारित लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। पक्षकारों के लिए बैठक एवं पेयजल की भी समुचित व्यवस्था की गई थी। लोक अदालत में समझौता करने वाले पक्षकारों को प्रोत्साहन स्वरूप फलदार, फलदार एवं छायादार पौधों का वितरण किया गया। न्यायालय परिसर में सेल्फी जोन भी आकर्षण का केंद्र रहा। लोक अदालत में कई महत्वपूर्ण व्यवहार वाद एवं मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों का आपसी सहमति से निराकरण किया गया। एक प्रकरण में मोटर दुर्घटना से मृतक के परिजनों को 22 लाख रुपये की समझौता राशि प्रदान करने पर सहमति बनी। वहीं मोटर दुर्घटना दावा निष्पादन के 18 लंबित मामलों में बीमा कंपनियों द्वारा कुल 73 लाख 25 हजार रुपये की राशि देने पर समझौता हुआ। एनआई एक्ट के एक प्रकरण में 70 हजार रुपये के चेक बाउंस मामले का समझौता 33 हजार रुपये में कराया गया। इसी प्रकार बैंक एवं फाइनेंस कंपनी से जुड़े मामलों में भी समझौते के माध्यम से प्रकरणों का निराकरण किया गया। नेशनल लोक अदालत में कई आपराधिक मामलों का भी सफलतापूर्वक निराकरण किया गया। गांवों में पुराने विवाद, मारपीट, गाली-गलौज एवं आपसी रंजिश से जुड़े मामलों में पक्षकारों ने न्यायालय की समझाइश पर आपसी सहमति से राजीनामा कर लिया। इससे गांवों में सौहार्दपूर्ण वातावरण स्थापित करने में मदद मिली। लोक अदालत में पैतृक संपत्ति, जमीन बंटवारा एवं पारिवारिक विवादों से जुड़े मामलों का भी आपसी सहमति से निराकरण किया गया। कई वर्षों से लंबित मामलों में पक्षकारों ने समझौता कर आपसी संबंधों को पुनः मधुर बनाया। कुटुम्ब न्यायालय में विशेष प्रयासों के तहत 7 दंपत्तियों के बीच सुलह कर उन्हें पुनः साथ रहने के लिए प्रेरित किया गया। इनमें प्रेम विवाह, वैवाहिक विवाद, भरण-पोषण एवं पारिवारिक मतभेद से जुड़े प्रकरण शामिल थे। न्यायालय की काउंसलिंग एवं समझाइश के बाद सभी दंपत्तियों ने आपसी सहमति से विवाद समाप्त कर साथ रहने का निर्णय लिया। नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन में न्यायालयीन कर्मचारियों, पैरालीगल वालंटियर्स, जिला प्रशासन, नगर पालिका, जिला एवं जनपद पंचायत, बैंक, विद्युत विभाग तथा अन्य विभागों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

40 पौवा देशी शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा। बेमेतरा पुलिस द्वारा अवैध शराब, गांजा, नशीली पदार्थो, प्रतिबंधात्मक कार्यवाही, बाउंड ओवर, गुंडा बदमाशों, फरार स्थायी वारंटियो, सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वालों, यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों तथा माईनर एक्ट के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही लगातार की जा रही है।

इसी क्रम में चौकी मारो पुलिस टीम को भ्रमण के दौरान जरिये मुखबिर से सूचना मिली कि दो व्यक्ति संयुक्त रूप से अवैध धन लाभ अर्जित करने अवैध रूप से शराब बिक्री करने रखा है कि सूचना के अधार पर चौकी मारो पुलिस टीम द्वारा मौके पर रेड कार्यवाही कर ग्राम चकवाय जाने मार्ग मेन रोड ग्राम कांपा के पास में अवैध रूप से बिक्री हेतु रखे शराब के साथ पकड़ा गया। जिसमें चौकी मारो, थाना नांदघाट में 01 प्रकरण में 02 आरोपी आकाश ध्रुव पिता मोहन ध्रुव उम्र 28 वर्ष, निवासी अमलडीहा, चौकी मारो, विकास सेन पिता लक्ष्मी नारायण सेन उम्र 32 वर्ष, निवासी अमलडीहा, चौकी मारो थाना नांदघाट जिला बेमेतरा के कब्जे से 40 पौवा देशी शराब (7,200ब्द्य) किमती 4,000/- रूपये को धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की गई है।

प्रांजल कायस्थ महासभा के जिलाध्यक्ष नियुक्त

डोंगरगांव नगर। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनूप श्रीवास्तव आईआरएस, पूर्व प्रधान आयुक्त, भारत सरकार के आदेश एवं राष्ट्रीय व प्रदेश कार्यकारिणी की सहमति से अखिल भारतीय कायस्थ महासभा युवा प्रकोष्ठ में प्रांजल श्रीवास्तव को राजनांदगांव जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि युवा तुर्क प्रांजल श्रीवास्तव वर्तमान में ब्लॉक में कायस्थ समाज में अपने सेवा कार्यों के लिए जाने जाते हैं। उनकी कार्यकुशलता, अनुभव एवं समाज के प्रति समर्पण को देखते हुए जिलाध्यक्ष राजनांदगांव छत्तीसगढ़ में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के पद पर मनोनीत किया गया है। क्षेत्र के सामाजिकजनों ने शुभकामनाएं दी है।

आने वाली पीढ़ी को विरासत में देंगे स्वच्छ जलस्रोत और सुरक्षित पकृति : प्रज्ञा निर्वाणी

बेमेतरा। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महिलाओं की भागीदारी को नया आयाम देते हुए खंडसरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में वुमेन फॉर वेटलैंड्स जन-जागरण अभियान का भव्य आयोजन किया गया भाजपा महिला मोर्चा की जिलाअध्यक्ष प्रज्ञा निर्वाणी के नेतृत्व में जुटी सैकड़ों मितानिनों, स्वास्थ्य कर्मियों और स्थानीय महिलाओं ने संकल्प लिया कि वे गांवों के पारंपरिक कुओं, तालाबों और पोखरों को लुप्त होने से बचाएंगी।

सामूहिक शपथ के साथ समापन

आयोजन के अंत में प्रज्ञा निर्वाणी ने उपस्थित सभी जनों को शपथ दिलाई। महिलाओं ने हाथों में हाथ डालकर यह प्रण लिया कि वे न केवल जलस्रोतों को स्वच्छ रखेंगी, बल्कि समाज के हर वर्ग को प्रकृति के प्रति जागरूक करने के लिए 'पर्यावरण प्रहरी' की भूमिका निभाएंगे

जलस्रोत बचेंगे तभी सुरक्षित होगा भविष्य

महिलाओं को संबोधित करते हुए महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष ने कहा जल संरक्षण को केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक नैतिक आंदोलन बताया, उन्होंने जोर देकर कहा, आर्द्रभूमियां (वेटलैंड्स) प्रकृति की धड़कन हैं, यदि हमारे गांव के तालाब और कुएं सूख गए, तो आने वाली पीढ़ी को हम विरासत में केवल प्यास और बंजर जमीन देकर जाएंगे। 'वुमेन फॉर वेटलैंड्स अभियान इसी जनभागीदारी का प्रमाण है कि जब मातृशक्ति किसी बदलाव का बीड़ा उठाती है, तो वह क्रांति का रूप ले लेती है। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने पोस्टर और नारों के माध्यम से समाज को जागरूक किया। इस दौरान निम्नलिखित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सहमति बनी। डोर-टू-डोर जागरूकता- मितानिनें और स्वास्थ्य कर्मी ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर जाकर वेटलैंड्स के महत्व को समझाएंगे।अतिक्रमण पर रोकः गांवों के सार्वजनिक तालाबों और पोखरों पर हो रहे अतिक्रमण के खिलाफसामूहिक आवाज उठाई जाएगी। पारंपरिक जल स्रोतों का पुनरुद्धार: पुराने कुओं की साफसफाई और उनके अस्तित्व को बनाए रखने के लिए सामुदायिक श्रमदान किया जाएगा।

पर्यावरणीय असंतुलन पर चिंता

कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने साझा किया कि तेजी से गिरता भू-जल स्तर और प्रदूषित होते तालाब भविष्य के लिए खतरे की घंटी हैं। उन्होंने सामूहिक स्वर में कहा कि जल, जंगल और जमीन की रक्षा करना अब उनकी प्राथमिकता होगी।

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन

बेमेतरा दल ने राज्य स्तर पर बनाई विशेष पहचान

बेमेतरा। विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर रेडक्रॉस स्थापना सप्ताह की शुरुआत करते हुए राज्य कार्यालय द्वारा पंडित जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागृह में राज्य स्तरीय विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेशभर से जूनियर एवं यूथ रेडक्रॉस के स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में बेमेतरा जिले से जूनियर एवं यूथ रेडक्रॉस के दल को शासकीय पी.जी. महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वीना त्रिपाठी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, नाटक, चित्रकला सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ, जिसमें जिले के स्वयंसेवकों एवं काउंसलरों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई। बेमेतरा जिले की टीम ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से सभी का ध्यान आकर्षित किया। पीएमश्री सेजेस राठी एवं सेजेस कन्या विद्यालय की छात्राओं ने सामूहिक नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी, वहीं शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गोड़गिरि की छात्राओं ने प्रभावशाली नाटक प्रस्तुत कर सराहना प्राप्त की। चित्रकला प्रतियोगिता में सेजेस राठी के छात्र सागर श्रीवास ने पूरे राज्य में तृतीय स्थान प्राप्त कर जिले को गौरवान्वित किया। यूथ रेडक्रॉस से शासकीय पी.जी. महाविद्यालय के प्रभारी सम्माननीय द्विवेदी जी एवं उनकी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। वहीं जूनियर रेडक्रॉस से श्रीमती वीना वर्मा, मो. जावेद, अनूप सिंह तथा अंकित निर्मलकर जैसे काउंसलरों के विशेष प्रयासों से जिले में रेडक्रॉस गतिविधियों को निरंतर सक्रियता मिली है। जिले में उत्कृष्ट कार्य के लिए राज्य स्तर पर गजेंद्र यादव, मंत्री छत्तीसगढ़ शासन द्वारा योगेश साहू एवं निधी शर्मा को सम्मानित किया गया। दोनों लंबे समय से रेडक्रॉस गतिविधियों में उल्लेखनीय योगदान देते आ रहे हैं। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा बेमेतरा की कलेक्टर एवं अध्यक्ष प्रतिष्ठा ममगाई, सचिव अमृत लाल रोहलदार, शासकीय पी.जी. महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वीना त्रिपाठी तथा जिला शिक्षा अधिकारी जी.आर. चतुर्वेदी ने पूरी टीम की सराहना करते हुए सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी। विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर जिला अस्पताल बेमेतरा में महिलाओं के लिए कैंसर एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन किया गया। साथ ही रेडक्रॉस की छात्राओं एवं सहायक जिला रेडक्रॉस अधिकारी युवराज सिंह बनाविश्वर द्वारा लोगों को रेडक्रॉस स्टीकर लगाकर सहयोग स्वरूप दान राशि एकत्रित की गई। उपेंद्र सिंह सेंगर, जिला संगठक रेडक्रॉस के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में बेमेतरा जिले के रेडक्रॉस दल ने राज्य स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है।

एटक के केंद्रीय अध्यक्ष ने मुख्य महाप्रबंधक को सौंपा ज्ञापन

दल्लीराजहरा। संयुक्त खदान मजदूर संघ (एटक) के केंद्रीय अध्यक्ष कमलजीत सिंह मान ने आर बी गहरवार मुख्य महाप्रबंधक, लौह अयस्क खदान समूह राजहरा द्वारा महामाया, दुलकी, कलवर खदानों में कर्मचारियों की समस्याओं एवं आसपास ग्रामीण अंचल में विकास कार्य कराने के संबंध में ज्ञापन सौंपा है। जिसमें कहा गया कि महामाया खदान लगभग विगत 50 वर्षों से संचालित है, जहाँ पर पहले हजारों की संख्या में कर्मचारी कार्यरत थे। उन कर्मचारियों के परिवार हेतु व्यवस्थित टाउनशिप था, आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों के शिक्षा के लिए स्कूल की व्यवस्था थी, एवं चिकित्सा व्यवस्था हेतु बी.एस.पी. का स्वयं का हास्पिटल था। परन्तु समय के साथ प्रबंधन द्वारा सड़क बिजली, शिक्षा अस्पातल जैसी मूलभूत सुविधायें पूर्ण रूप से बंद कर दी गयी। महामाया के साथ साथ कलवर एवं दुलकी की खदानों से भी प्रबंधन द्वारा आयरन ओर निकालकर भिलाई इस्पात संयंत्र को भेजा जा रहा है। इन तीनों खदानों में लगभग 20 मिलियन टन आयरन ओर है। इन तीनों खदानों के आसपास की पाँच पंचायतों के लगभग 18 से 20 गांव आते हैं।

इन पंचायतों के लगभग 700 श्रमिक इन्ही पंचायतों से आते हैं। इन श्रमिकों के लिए खदानों में न उचित रेस्टसेल्टर है ना ही पीने के लिए पानी की व्यवस्था है, न कैन्टीन है, और न ही चिकित्सा सुविधा के लिए कोई उचित व्यवस्था है। प्रबंधन सिर्फ उत्पादन कर रहा है, परन्तु यहाँ के कर्मचारी एवं आसपास के ग्रामीणें मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। उन्होंने प्रबंधक के सामने खदान कर्मचारियों के हित में मांगों पर विचार कर पूर्ण करने की मांग की है। खदान अधिनियम के तहत खदानों में कार्यरत कर्मचारियों के लिए व्यवस्थित कैन्टीन की सुविधायें दी जाय। श्रमिकों के लिए वातानुकुलित रेस्टसेल्टर एवं शौचालय की सुविधा प्रदान की जाए। खदान अधिनियम के तहत सभी खदानों में एम्बुलेंस एवं प्रारम्भिक चिकित्सा की समुचित व्यवस्था की जाए। बी.एस.पी. प्रबंधन ने जिस प्रकार दल्ली राजहरा, नंदिनी, हिर्री एवं रावघाट की खदानों में कर्मचारियों एवं क्षेत्र की जनता की सुविधा के लिए डी.ए.व्ही. स्कूल अंग्रेजी माध्यम खोला है। उसी प्रकार महामाया, दुलकी एवं कलवर की खदानों की परिधि में आने वाले ग्रामीण बच्चों के लिए स्कूल की व्यवस्था की जाए। बी.एस.पी. प्रबंधन द्वारा तीनों खदानों के कर्मचारियों एवं ग्रामीण जनता के लिये सर्वसुविधायुक्त अस्पताल खोला जाए। प्रबंधन क्षेत्रीय बेरोजगारों को रोजगार देने के लिए अधिक से अधिक अवसर प्रदान करे। कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व निभाते हुए महामाया सहित अन्य ग्रामीण अंचल में बिजली पानी एवं सड़क मार्ग की उचित व्यवस्था की जाए। उन्होंने मांग की प्रतिलिपि जिलाधीश बालोद अनुविभागीय दण्डाधिकारी दल्ली राजहरा को भी सौंपा है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com